भारत निविदा लाईन समाचार

हिन्दी साप्ताहिक

भारत समाचार निविदा लाईन पत्र क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 18 ■ अंक:23 ■ नई दिल्ली 14 से 20 मार्च 2025 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

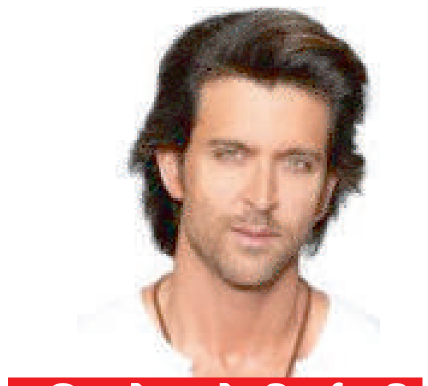

ऋतिक रोशन ने की पूर्व पत्नी संजैन खन की तारीफ

एक नजर

जेनपीए से छह लेन के ग्रीनफील्ड राजमार्ग निर्माण को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने महाराष्ट्र में जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह-जेएनपीए से चौक तक करीब 30 किलोमीटर लम्बे छह लेने के ग्रीनफील्ड राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने जेएनपीए पोर्ट के लिए इस हाईस्पीड मार्ग के निर्माण को मंजूरी दी है। बैठक के बाद सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जेनपीए के पगोटे से चौक तक 29.219 किमी 6 लेन की एक्सेस नियंत्रित ग्रीनफील्ड हाई स्पीड राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण को मंजूरी दी गई है। परियोजना पर कुल 4500.62 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है। यह कार्य निर्माण, ऑपरेट कर ट्रांसफर - बीओटी मोड पर संपन्न किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में बड़े और छोटे बंदरगाहों को बुनियादी ढांचे से जोड़ने के लिए सड़कों का निर्माण प्रधानमंत्री गतिशक्ति के तहत किया जा रहा है। जेएनपीए एकीकृत बुनियादी ढांचा विकसित करने का काम सरकार के मुख्य फोकस वाले कार्यक्षेत्रों में शामिल है। इस बंदरगाह पर कंटेनर की संख्या बढाने, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के विकास के साथ इस क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग कनेक्टिविटी को बढ़ाने की जरूरत के तहत इस योजना को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र के पलास्पे फाटा, डी-पॉइंट, कलंबोली जंक्शन, पनवेल जैसे शहरी क्षेत्रों में भारी भीड़भाड़ के कारण जेएनपीए पोर्ट से एनएच-48 के धमनी स्वर्णिम चतुर्भुज खंड और मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे तक वाहनों को जाने में 2-3 घंटे लग जाते हैं।

असम में बनेगा यूरिया का नया कारखाना

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने असम के नामरूप में ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल) के परिसर में एक नया ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया संयंत्र स्थापित करने के प्रस्ताव को आज मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आज यहां हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। सूचना प्रसारण, रेल, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने आज ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीवीएफसीएल), नामरूप असम के मौजूदा परिसर में 12.7 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) वार्षिक यूरिया उत्पादन क्षमता का एक नया ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया कॉम्प्लेक्स स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसकी अनुमानित कुल परियोजना लागत 10,601.40 करोड़ रुपये है तथा ऋण इक्विटी अनुपात 70:30 है। यह नई निवेश नीति, 2012 (7 अक्टूबर, 2014 को इसके संशोधनों सहित) के तहत एक संयुक्त उद्यम (जेवी) के माध्यम से स्थापित किया जाएगा। नामरूप-4 परियोजना के चालू होने की संभावित समय-सीमा 48 महीने है। श्री वैष्णव ने कहा कि इसके अतिरिक्त, मंत्रिमंडल ने सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशा-निर्देशों में निर्धारित सीमाओं में छूट देते हुए राष्ट्रीय उर्वरक लिमिटेड (एनएफएल) की 18 प्रतिशत की इक्विटी भागीदारी और नामरूप-4 उर्वरक संयंत्र की स्थापना की प्रक्रिया की देखरेख के लिए एक अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) के गठन को भी मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संयुक्त उद्यम में 40 प्रतिशत इक्विटी असम सरकार, 11 प्रतिशत बीवीएफसीएल, 13 प्रतिशत हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल), 18 प्रतिशत नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड (एनएफएल) तथा 18 प्रतिशत ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) की होगी। बीवीएफसीएल की इक्विटी हिस्सेदारी मूर्त परिसंपत्तियों के बदले में होगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से देश में विशेष रूप से पूर्वोत्तर क्षेत्र में घरेलू यूरिया उत्पादन क्षमता बढ़ेगी।

अंतरिक्ष से वापस लौटीं सुनीता विलियम्स, 9 महीने बाद घर वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। नौ महीने से अंतरिक्ष में फंसे नासा (NASA) के अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर मंगलवार को सुरक्षित धरती पर लौट आए हैं। फ्लोरिडा के तट पर उनकी सुरक्षित लैंडिंग हुई। उनके साथ अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री निक हैग और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोबुनोव भी वापस आए हैं। इन सभी को स्पेसएक्स की क्रू ड्रैगन कैप्सूल 'फ्रीडम' की मदद से वापस लाया गया।

'फ्रीडम' कैप्सूल ने पृथ्वी के वातावरण में प्रवेश करते हुए लगभग 3000 डिग्री फारेनहाइट (1650 डिग्री सेल्सियस) तक के तापमान का सामना किया। इसके बाद यह टैल्लाहासी के पास गल्फ ऑफ मेक्सिको में पैराशूट के जरिए सुरक्षित रूप से लैंड हुआ। इसके बाद एक रिकवरी वेसल इन चारों अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित रूप से निकालकर ह्यूस्टन स्थित नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर ले जाएगा। इन अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी पर लौटने के बाद 45 दिनों की पुनर्वास प्रक्रिया से गुजरना होगा ताकि वे माइक्रोग्रैविटी के प्रभाव से पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुकूल हो सकें।

बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स को पिछले साल जून में बोइंग के स्टारलाइनर में अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (क्रर) के लिए भेजा गया था। दोनों को ही सिर्फ 8 दिन वहां रहना था। दोनों अंतरिक्ष यान की सुरक्षा को जांचने के लिए गए थे। हालांकि प्रणोदन में खराबी के कारण यह मिशन नाकाम हो गया और अंतरिक्ष यान को बिना यात्रियों के पृथ्वी पर लौटना पड़ा। इसके बाद दोनों अंतरिक्ष में ही फंसे रह गए।

नासा ने इन्हें वापस लाने के लिए स्पेसएक्स के क्रू-9 मिशन से जोड़ा। यह सितंबर में क्रर पर पहुंचा। रविवार को क्रू-9 ने अपने क्रर सहयोगियों से भावुक विदाई ली। उनकी जगह वहां क्रू-10 ने लिया। घर लौटने की तैयारी करते हुए निक हैग ने कहा, "जो साथी अंतरिक्ष स्टेशन पर रह गए हैं उनका हम इंतजार में रहेंगे। क्रू-9 अब घर लौट रहा है।

शंभू बॉर्डर पर चला बुलडोजर

हटाए गए प्रदर्शनकारी किसान, हिरासत में किसान नेता, कई इलाकों में इंटरनेट बंद

- पंजाब पुलिस ने शंभू बॉर्डर पर किसानों का धरना समाप्त करवाया
- किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा, 'हम अंतिम सांस तक लड़ेंगे'

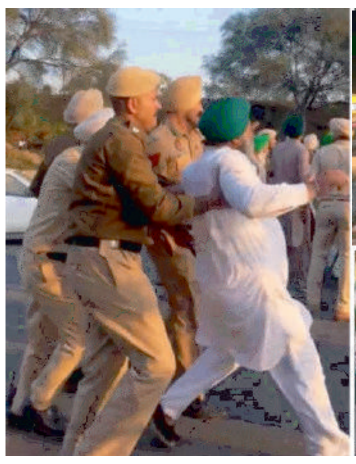

शंभू बॉर्डर(पंजाब)। पंजाब पुलिस ने बुधवार को पंजाब-हरियाणा शंभू बॉर्डर पर किसानों की ओर से लगाए गए धरने को समाप्ति करा दिया और टेंटों को तोड़ दिया। किसानों की एक बड़ी संख्या अपनी अलग-अलग मांगों को लेकर यहां धरने पर बैठी थी। शंभू बॉर्डर पर पुलिस की तैनाती काफी बढ़ा दी गई थी। पुलिस ने किसान मजदूर मोर्चा का कार्यालय और किसानों की ओर से बनाए गए पक्के मोर्चों को तोड़ दिया। पुलिस ने बुलडोजर चलाकर किसान मजदूर मोर्चा के कार्यालय और मंच को ध्वस्त कर दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई के तहत शंभू बॉर्डर से किसानों को हटाया जा रहा है और धरने की पूरी व्यवस्था को ध्वस्त किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि सुबह तक सब क्लियर करा लिया जाएगा। वहीं शंभू और खनौरी दोनों बॉर्डर के आसपास इलाकों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं।

यह बातचीत किसानों द्वारा उठाई गई विभिन्न मांगों पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी, जिसमें फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी भी शामिल थी। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बुधवार पूर्वाह्न 11 बजकर 50 मिनट पर बैठक के लिए सेक्टर-26 स्थित महात्मा गांधी लोक प्रशासन संस्थान पहुंचे थे। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा और कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने भी बैठक में हिस्सा लिया।

इससे पहले शंभू बॉर्डर पर भारी पुलिस बल की तैनाती और दर्जनों एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड और बुलडोजर की तैनाती को लेकर किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा है कि हम कहना चाहते हैं कि हमें मारे बिना यहां से मोर्चा खाली नहीं हो सकता है। हम पंजाब, हरियाणा के किसानों से कहना चाहते हैं कि एक-एक ट्रॉली यहां लेकर आ जाओ, यह मसला किसी न किसी ओर जाएगा। अंतिम सांस तक लड़ेंगे। सरकार बड़ी है, लेकिन जनता से बड़ी नहीं हो सकती है।

दरअसल दोनों विरोध स्थलों पर पुलिस कार्रवाई के संकेत सुबह से ही मिलने लगे थे, क्योंकि वहां भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था। वहीं किसान नेताओं ने चंडीगढ़ में केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की थी। किसानों ने बताया कि प्रदर्शन स्थलों के पास एम्बुलेंस, बसें, अग्निशमन और दंगा रोधी वाहन तैनात किए गए हैं। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के नेतृत्व में प्रदर्शनकारी किसान पिछले साल 13 फरवरी को दिल्ली कूच करने से रोके जाने के बाद से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू (शंभू-अंबाला) और खनौरी (संगरूर-जींद) सीमा पर डेरा डाले हुए हैं। किसान फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी सहित विभिन्न मांगों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

किसानों संग बातचीत का अगला दौर 4 मई को

चंडीगढ़ में किसानों की विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए किसान नेताओं और केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल के बीच ताजा दौर की वार्ता बेनतीजा रही। तीन घंटे से अधिक समय तक चली बैठक के बाद कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि वार्ता सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई। चर्चा सकारात्मक और रचनात्मक तरीके से हुई। बातचीत जारी रहेगी। अगली बैठक चार मई को होगी। मंगत ने दावा किया कि किसानों को उनके गंतव्य की ओर जाने से रोकने के लिए मोहाली में बड़े पैमान पर अवरोधक लगाए गए।

40 से 50 किसानों ने आत्मसमर्पण किया

पंजाब पुलिस की ओर से डीआईजी हरमिंदर सिंह गिल ने कहा कि अब तक 40 से 50 किसानों ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने आगे बताया कि यदि कोई किसान गिरफ्तारी के लिए कहेगा तो उसे गिरफ्तार किया जाएगा, जबकि अगर कोई छोड़ने की मांग करेगा तो उसे छोड़ दिया जाएगा। ऐसा नहीं है कि हमने उन्हें बंधक बना लिया है। पुलिस की कार्रवाई में गैरकानूनी तरीके से बनाए गए सभी निमार्णों को तोड़ा जा रहा है। अगले कुछ घंटों में शंभू बॉर्डर को पूरी तरह से खाली करवा लिया जाएगा।पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान हरियाणा पुलिस भी अपनी ओर से बैरियर हटाने की प्रक्रिया में लगी है। जैसे ही हरियाणा पुलिस अपना बैरियर हटाएगी, शंभू बॉर्डर को पूरी तरह से साफ कर दिया जाएगा और रूट को क्लीयर कर दिया जाएगा।

दो दशक में रेल दुर्घटनाओं में 90 प्रतिशत की कमी आई : रेल मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को लोकसभा में कहा कि 2005-06 में रेलगाड़ियों के पटरी से उतरने समेत रेल हादसों की संख्या करीब 700 प्रतिवर्ष थी, जो अब घटकर 73 रह गई है। उन्होंने कहा कि रेलवे सुरक्षा के लिए अनेक कदम उठाए जाने के परिणामस्वरूप रेल दुर्घटनाओं में 90 प्रतिशत की उल्लेखनीय कमी आयी है।

वित्त वर्ष ह्य2025-26 के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रणाधीन अनुदान मांगों पर सदन में हुई चर्चा के जवाब में वैष्णव ने कहा कि 2005-06 में जब लालू प्रसाद रेल मंत्री थे, तो एक साल में रेलगाड़ियों की 234 दुर्घटनाएं घटती थीं और ट्रेनों के पटरी उतरने की घटनाओं को मिलाकर करीब 700 हादसे होते थे। उन्होंने कहा कि तब हर दिन औसतन दो हादसे होते थे।

वैष्णव ने कहा कि ममता बनर्जी के रेल मंत्री बतौर कार्यकाल में एक साल में 165 रेल हादसे और 230 घटनाएं रेलगाड़ियों के पटरी से उतरने की सामने आती थीं, यानी हर दिन औसतन एक हादसे की दर से कुल 395 मामले सामने आए।

रेल मंत्री ने कहा कि जब मल्लिकार्जुन खरगे देश के रेल मंत्री थे तो एक साल में 118 ट्रेन हादसे होते थे और पटरी से रेलगाड़ियों के उतरने की 263 घटनाएं सामने आती थीं, यानी हर दिन औसत एक हादसा होता था।

भारत सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक है: ट्रम्प

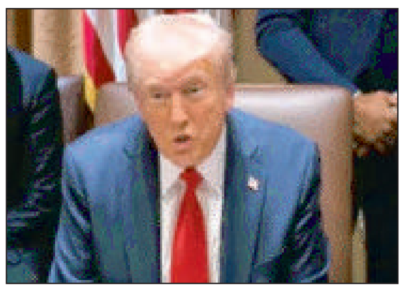

वाशिंगटन/नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि भारत के साथ उनके "बहुत अच्छे संबंध" हैं, लेकिन भारत "दुनिया में सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक है" और वह 02 अप्रैल से भारत पर अपने पारस्परिक टैरिफ को आगे बढ़ा रहे हैं।

ब्रेइटबार्ट न्यूज को दिए एक साक्षात्कार के दौरान जब व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ 13 फरवरी को हुई द्विपक्षीय बैठक के बारे में पूछा गया, तो श्री ट्रंप ने कहा, "भारत के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं, लेकिन भारत के साथ मेरी एकमात्र समस्या यह है कि वे दुनिया में सबसे अधिक टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक हैं।" उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि वे संभवतः उन टैरिफ को काफी हद तक कम करने जा रहे हैं, लेकिन 02 अप्रैल को, हम उनसे वही टैरिफ वसूलेंगे जो वे हमसे वसूलते हैं।" भारत-मध्य पूर्व-यूरोप-आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के बारे में पूछे जाने पर (जिस सौदे को अमेरिका आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक है) श्री ट्रम्प ने कहा कि यह "अद्भुत देशों का समूह" है जो "व्यापार में हमें नुकसान पहुँचाने वाले अन्य देशों का मुकाबला करने के लिए" एक साथ मिलकर काम कर रहा है। उन्होंने कहा, "हमारे पास व्यापार में भागीदारों का एक शक्तिशाली समूह है। फिर भी, हम उन भागीदारों को हमारे साथ बुरा व्यवहार करने की अनुमति नहीं दे सकते। हम अपने दुश्मनों के साथ कई मायनों में अपने दोस्तों की तुलना में बेहतर व्यवहार करते हैं।" उन्होंने कहा, "कुछ मामलों में जो हमारे साथ उतने दोस्ताना नहीं होते, वे हमारे साथ उन देशों से बेहतर व्यवहार करते हैं जिन्हें दोस्ताना माना जाता है, जैसे यूरोपीय संघ, जो व्यापार के मामले में हमारे साथ बहुत बुरा व्यवहार करता है।" उन्होंने कहा कि भारत और हर कोई उन्हें एक सहयोगी के रूप में सोचेगा। उन्होंने कहा, "मैं दूसरों के लिए भी यही कह सकता हूँ। यह अद्भुत देशों का समूह है, जो उन अन्य देशों का मुकाबला कर रहा है, जो व्यापार में हमें नुकसान पहुँचाने की कोशिश करते हैं।"

गौरतबल है कि इस महीने की शुरूआत में अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि भारत अमेरिकी ऑटो टैरिफ 100 प्रतिशत से ज्यादा वसूलता है, जिसे उन्होंने अनुचित बताया था।

22 नए एम्स में कैंसर के इलाज के लिए सुविधा केंद्रों को मंजूरी दी गई : नड्डा

देश में एक लाख 75 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं जहां की जा रही है कैंसर की जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। कैंसर रोगियों के इलाज के लिए सभी 22 नए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों (एम्स) में सुविधा केंद्रों को मंजूरी दी गई है और समय रहते इस बीमारी का पता लगाने के लिए इसकी जांच पर जोर दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे पी नड्डा ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान बताया कि देश में एक लाख 75 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं जहां कैंसर की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि मुख कैंसर की करीब 29.32 करोड़ जांच हुई जिसमें से एक लाख 63 हजार मामलों में कैंसर का पता चला। उन्होंने कहा कि इसी तरह स्तन कैंसर के लिए 15 करोड़ 60 लाख जांच हुई और 57 हजार मामलों में स्तन कैंसर का पता चला।

नड्डा ने बताया कि गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए नौ करोड़ 48 हजार जांच हुई और 97 हजार मामलों में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का पता चला। उन्होंने कहा कि वह आंकड़े इसलिए बता रहे हैं ताकि पता चल सके कि लाखों जांच हुई हैं। उन्होंने बताया कि कैंसर का पता चलने के बाद मरीजों का इलाज शुरू कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि सभी 22 नए एम्स में कैंसर के इलाज के लिए सुविधा केंद्रों को मंजूरी दी गई है।

उन्होंने कैंसर के इलाज की सुविधा के बारे में बताया कि 372 जिला कैंसर डे केयर केंद्र हैं जहां कीमोथैरेपी सहित अन्य इलाज किया जाता है। वित्त मंत्री ने बजट में घोषणा की हर जिले में ऐसे केंद्र खोले जाएंगे। नड्डा ने कहा कि इस साल सरकार ने 200 जिला कैंसर डे केयर केंद्र खोलने का फैसला किया है। अगले दो साल में हर जिले में जिला कैंसर डे केयर केंद्र होगा।

एक अन्य पूरक प्रश्न के उत्तर में बताया कि कैंसर की जांच के साथ साथ सरकार टेलिमेडिसिन पर भी ध्यान और महत्व दे रही है। इसके लिए सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे मरीज की जांच कर पता कर सकें कि क्या उन्हें कैंसर है और अगर है तो किस स्टेज पर है। उन्होंने कहा कि लैन्सेट पत्रिका में हाल में आए एक अध्ययन में कहा गया है कि भारत ने कैंसर के उपचार शुरू करने में होने वाली देरी को कम करने में प्रगति की है। उनके अनुसार, लैंसेट द्वारा प्रकाशित अध्ययन से पता चलता है कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत, समय पर कैंसर उपचार शुरू करने में उल्लेखनीय सुधार हुआ है तथा नामांकित रोगियों को 30 दिनों के भीतर कैंसर उपचार तक पहुंच में 90 फीसदी की वृद्धि हुई है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव गणपतराव जाधव ने बताया कि राष्ट्रीय गैर संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के अंतर्गत 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 233 हृदय देखभाल इकाइयों, 372 जिला डे केयर सेंटर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर 6,410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि देश के विभिन्न भागों में 19 राज्य कैंसर संस्थान (एससीआई) और 20 विशिष्ट कैंसर परिचर्या केंद्र (टीसीसीसी) स्थापित किए गए हैं ताकि कैंसर का इलाज हो सके।

पाकिस्तान अपने अवैध कब्जे वाले कश्मीर के क्षेत्र को खाली करे: भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान की बयानबाजी की मंगलवार को कड़ी आलोचना की और कहा कि पाकिस्तान को अपने अवैध और जबरन कब्जे वाले भारतीय क्षेत्र को तुरंत खाली करना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान द्वारा की गई टिप्पणियों पर मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, हमारे संज्ञान में आया है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर भारतीय केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के बारे में कुछ टिप्पणियां की हैं। दुनिया जानती है कि असली मुद्दा पाकिस्तान द्वारा सक्रिय रूप से और सीमा पार आतंकवाद का प्रायोजन है।

श्री जायसवाल ने कहा कि वास्तव में, यह क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी बाधा है। झूठ फैलाने के बजाय पाकिस्तान को अपने अवैध और जबरन कब्जे के तहत भारतीय क्षेत्र को खाली करना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की यह टिप्पणी पाकिस्तान के विदेश कार्यालय द्वारा लेक्स फ्रीडमैन के साथ पॉडकास्ट साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर टिप्पणी के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि,ह्लपाकिस्तान के साथ शांति को बढ़ावा देने का हर प्रयास का जवाब शत्रुता और विश्वासघात के साथ मिला। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार के लिए पाकिस्तान के नेतृत्व को सद्बुद्धि आएगी।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने श्री मोदी की टिप्पणियों को खारिज कर दिया और कहा,ह्लभारतीय प्रधानमंत्री की टिप्पणी भ्रामक और एकतरफा है। वह आसानी से जम्मू-कश्मीर विवाद को छोड़ देते हैं, जो संयुक्त राष्ट्र, पाकिस्तान और कश्मीरी लोगों को भारत के गंभीर आश्वासन के बावजूद पिछले सात दशकों से अनसुलझा है।

उत्तर प्रदेश: जिला शामली नगर पालिका के कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: जिला शामली 10 मार्च 2025 दोपहर लगभग 001 बजे राष्ट्रीय बाल्मीकि समाज प्रतिनिधि मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद झंझोट के नेतृत्व में नंदू प्रसाद वाल्मीकि जिला संयोजक, रामस्वरूप वाल्मीकि जिला अध्यक्ष, सुखबीर सिंह वाल्मीकि, काजल वाल्मीकि, राष्ट्रीय महासचिव गीता देवी, राजेश देवी, विनोद पाहिवाल, अक्षय कुमार, स्वराज सिंह, अरुण झंझोट राष्ट्रीय महासचिव, मुकेश वाल्मीकि आदि ने मिलकर एक ज्ञापन माननीय महामहिम राज्यपाल महोदय राज भवन उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ एवं माननीय मुख्यमंत्री महोदय सर्व श्री योगी आदित्यनाथ जी उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ को संबोधित वाल्मीकि दलित समाज एवं उत्तर प्रदेश के स्थानीय निकायों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए 8 सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी महोदय श्री हामिद हसन जिला शामली को सौंपा। ज्ञापन में संगठन के अध्यक्ष अरविंद झंझोट ने बताया कि उत्तर प्रदेश वाल्मीकि समाज एवं उत्तर प्रदेश के स्थानीय निकाय में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की समस्याओं के संबंध में एवं शामली नगर पालिका परिषद से आउटसोर्सिंग के हटाए हुए सफाई कर्मियों को वापस रखवाने हेतु जनहित में अनुरोध 8 सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी जिला शामली के माध्यम से उत्तर प्रदेश के माननीय महामहिम राज्यपाल महोदय एवं माननीय मुख्यमंत्री महोदय श्री योगी आदित्यनाथ जी को पत्र भेज कर अनुरोध करते हुए कहा कि महोदय जी।

1. मान्यवर जी निवेदन है कि वाल्मीकि समाज एवं उत्तर प्रदेश स्थानीय निकायों में कार्यरत संविदा सफाई कर्मचारियों को नियमित कराया जाए और संविदा सफाई कर्मचारियों का छठा एवं सातवां वेतन स्केल का लाभ दिलाया जाए।

2. उत्तर प्रदेश में स्थानीय निकायों में एवं अन्य विभागों में कार्यरत आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को माननीय प्रधानमंत्री एवं केंद्रीय श्रम मंत्री महोदय द्वारा घोषित ?25000/ वेतन प्रतिमाह दिलाया जाए।

3. उत्तर प्रदेश स्थानीय निकायों में संविदा सफाई कर्मचारियों का एवं आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों का ? पांच लाख तक का जीवन बीमा कराया जाए और ? दस लाख का दुर्घटना बीमा कराया जाए।

4. उत्तर प्रदेश स्थानीय निकायों के संविदा सफाई कर्मचारियों को बैंकों से सैलरी तथा ? पांच लाख का कम ब्याज पर ऋण दिलाया जाए।

5. उत्तर प्रदेश में वाल्मीकि दलित समाज के बेरोजगार युवकों एवं युवतियों को अपना व्यवसाय चलाने के लिए कम ब्याज पर ? दस लाख तक का बैंकों से वाल्मीकि कॉलोनियों में कैंप लगाकर कम ब्याज पर लोन दिलाया जाए।

6. उत्तर प्रदेश स्थानीय निकायों के आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को ? 2 लाख तक बैंकों से सैलरी लोन कम ब्याज पर दिलाया जाए।

7. उत्तर प्रदेश में समस्त विभागों में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के रिक्त पदों को भरवाया जाए, और उत्तर प्रदेश स्थानीय निकायों में नगरों के बढ़ते क्षेत्रफल के अनुसार सफाई कर्मचारियों की वाल्मीकि समाज से भर्तियां कराई जाएं।

8. शामली नगर पालिका परिषद से हटाए गए गरीब वर्ग के बेरोजगार आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को वापस सफाई कार्य पर रखवाया जाए। आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को सेवा में वापस लिए जाने के निर्देश पांच माह पूर्व शामली नगर पालिका परिषद में राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा श्रीमती अंजना पंवार जी के द्वारा सफाई कर्मचारियों की जन समस्याओं को सुनने के लिए शामली भ्रमण के दौरान शामली नगर पालिका परिषद में अधिकारियों की मीटिंग ली और जन समस्याओं को सुना जिसमें आयोग की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा श्रीमती अंजना पंवार जी के समक्ष संगठन के जिला संयोजक नंदू प्रसाद के द्वारा वाल्मीकि समाज की जनहित समस्याओं को आयोग की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा श्रीमती अंजना पंवार जी के समक्ष रखा और शामली नगर पालिका परिषद से हटाए गए ठेके के सफाई कर्मचारियों को लेकर मिले आयोग की उपाध्यक्षा अंजना पंवार जी से उन हटाए गए ठेके के सफाई कर्मचारियों को शामली नगर पालिका परिषद में वापस रखवाने एवं मृतक कर्मचारियों के स्थान पर मृतक सफाई कर्मचारी के आश्रित के रूप में उनके परिवार में एक रोजगार दिलाने और संविदा एवं ठेके के सफाई कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश दिलाने का अनुरोध राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की राष्ट्रीय उपाध्यक्षा श्रीमती अंजना पंवार महोदया से किया था, जिसमें आयोग की उपाध्यक्षा अंजना पंवार जी ने शामली नगर पालिका परिषद से हटाए गए ठेके के सफाई कर्मचारियों को वापस रखवाने के लिए एवं सफाई कर्मचारियों का साप्ताहिक अवकाश दिलाने के लिए तत्कालीन पूर्व अधिशासी अधिकारी महोदय नगर पालिका परिषद शामली को निर्देश दिए थे। जिसमें 5 माह बीत जाने के बाद भी इन हटाए गए ठेके के सफाई कर्मचारियों को वापस सेवा में नहीं लिया गया, और मृतक आश्रितों के स्थान पर भी उनके परिवार से कोई आश्रित काम पर नहीं रखा गया। संविदा सफाई कर्मचारियों एवं ठेके के सफाई कर्मचारियों को साप्ताहिक अवकाश भी नहीं दिया जा रहा। पिछले वर्ष का संविदा सफाई कर्मचारियों का वर्दियों के पैसे का भुगतान भी बकाया है। संविदा सफाई कर्मचारियों को वर्दियों के पैसे का भुगतान कराया जाए। आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों को भी वर्दियों के पैसे का भुगतान कराया जाने की मांग की। ज्ञापन देने के दौरान अरविंद झंझोट राष्ट्रीय अध्यक्ष, रामस्वरूप वाल्मीकि जिला अध्यक्ष, सुखवीर सिंह वाल्मीकि, नंदू प्रसाद वाल्मीकि, जिला संयोजक कुमारी काजल वाल्मीकि, राष्ट्रीय महासचिव गीता देवी, राजेश देवी, विनोद पाहिवाल, अक्षय कुमार, स्वराज सिंह, अरुण झंझोट राष्ट्रीय महासचिव, मुकेश वाल्मीकि आदि शामिल रहे।

बिहार: बिहार में पशु पालक को सरकार दे रही हर सुविधा

दीपक कुमार

बिहार: बिहार सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाएँ पशु पालकों को दी जा रही हैं। नियमित दवाओं का वितरण हो रहा है। यह जानकारी मोतीपुर पशु भ्रमणशील डॉक्टर श्री हीरा रजक ने आज पशु पालकों को दवाओं के वितरण के दौरान बताया। उन्होंने बताया कि कुछ दवाओं की कमी है, जिन्हें पशु पालक मांगने आते हैं, उन्हें नहीं दे पाते हैं, जिससे दुःख होता है। उन दवाओं को भी आने पर पशु पालकों को दिए जाएंगे। उच्च अधिकारी और सरकार के तय नियम और उपलब्ध संसाधनों से पशु पालकों को सेवा दी जा रही है। किराए के मकान में अस्पताल चल रहा है, जिससे काफी दिक्कत होती है। इलाकों में लगातार घूमना पड़ता है। पशु पालकों को कोई दिक्कत न हो, यह देखना पड़ता है। प्रयास यही होता है कि कोई कमी न रहे, जिससे पशु पालकों को कोई शिकायत का मौका मिले। खबर मिलते ही समस्या निदान पर कार्य किया जाता है। क्रेडिट लोन का भी लक्ष्य रखा गया है।

मध्य प्रदेश: रायसेन में 9 मार्च को होगा युवक युवती परिचय सम्मेलन

विकाश कुमार

मध्य प्रदेश: तहसील उदयपुरा जिला रायसेन मध्य प्रदेश में अखिल भारतीय मेहरा समाज संगठन दिल्ली के तत्वाधान में युवक युवती परिचय सम्मेलन दिनांक 9.3.2025 को दिन रविवार को होने जा रहा है। संगठन में ही शक्ति है, यही समाज का लक्ष्य और हमेशा रहेगा। आज वक्त है कि मेरा समाज एकजुट होकर कार्य करे और एक दूसरे से संपर्क कर मेहरा समाज को आगे ले जाए। यही अखिल भारतीय मेहरा समाज संगठन का लक्ष्य और हमेशा रहेगा। सभी शिक्षित हों, सभी को संगठन में एकजुट होकर समाज के व्यक्तियों को आगे बढ़ने का प्रयास निरंतर करना है। एक अकेला व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता। आज हमें संगठन को मजबूत बनाना है, तो हमें एकजुट होकर अपनी ताकत दिखानी होगी।

इसी उद्देश्य से अखिल भारतीय मेहरा समाज संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और संगठन के सभी सदस्य मिलकर उदयपुरा क्षेत्र में विशाल युवक युवती परिचय सम्मेलन रखने का कार्य कर रहे हैं। इसी उद्देश्य से आने वाले समय में अखिल भारतीय मेहरा समाज जो संभव कार्य है, वह पूरे करके दिखाएगा। सिर्फ आपका सहयोग जब तक नहीं होगा, तब तक कार्य भी अधूरा है। आपकी एकजुटता ही समाज की ताकत है।

आज यही ताकत माननीय श्री डॉक्टर अशोक आजाद जी ने, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय मेहरा समाज संगठन दिल्ली ने जो पहल की है, आज उन्हीं की दिन से एक कड़ी जुड़ते-जुड़ते आज कहां पहुंच गई है और आने वाले समय में भी और आगे बढ़ती ही जाएगी। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष माननीय श्री सर्वर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री नवल किशोर नन्हरिया, माननीय श्री संजय मंगरे, माननीय श्री विनोद झरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री सुरेंद्र पटरिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष माननीय श्री सुरेंद्र मेहरा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, संपादक मेरा दर्शन पत्रिका माननीय श्रीमती पार्वती डेरी, राष्ट्रीय महासचिव महिला प्रकोष्ठ माननीय श्री प्रदीप डेहरिया, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मध्य प्रदेश रायसेन जिला समिति श्री विश्राम जी मेहरा बरेली, श्री गोवर्धन जी मेहरा जिला उपाध्यक्ष उड़द महू, श्री सुशील जी मेहरा जिला अध्यक्ष मंडीदीप उदयपुर, कार्यकारिणी श्री रेवाराम जी मेरा वरिष्ठ सलाहकार ग्राम सिलारी उदयपुर, सालक राम जी मेहरा जिला महामंत्री, श्री जगदीश जी मेरा देवरी जिला सदस्य, श्री दुर्गा प्रसाद जी जिला महामंत्री उदयपुर, अध्यक्ष प्रेम नारायण मेहरा, उपाध्यक्ष विनोद जी मेहरा सभी का योगदान और संगठन को मजबूत बनाने का प्रयास सभी कर रहे हैं। उदयपुरा से विकास सियारिया, मीडिया प्रभारी।

बिहार: परवल लोडेड नाव पलटी, मछुआरों ने डूबते लोगों की बचाई जान

एमडी फिरोज आलम

बिहार: प्रखंड क्षेत्र के चौकिया पहाड़पुर पंचायत के अंतर्गत गदाई दियारा से किसानों द्वारा नाव में परवल लेकर मनिहारी की ओर जा रही एक नाव सोमवार को गंगा नदी में अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे नाव में सवार लगभग दो दर्जन से अधिक लोग गंगा नदी में बहने लगे। इसी दौरान कुछ मछुआरों ने बहादुरी और तत्परता से गंगा नदी में बह रहे सभी लोगों को रेस्क्यू कर बचा लिया। नाव पलटते ही आस-पास के मछुआरों ने बिना समय गंवाए अपनी छोटी नावों से बहते हुए लोगों को बचाने का अभियान शुरू किया। मछुआरा कुंदन चौधरी, दशरथ कुमार, लालू कुमार, और गोविंद कुमार सहित अन्य मछुआरों ने जान जोखिम में डालकर रेस्क्यू किया और सभी को सुरक्षित गंगा

नदी से बाहर निकाला।

मछुआरों की बहादुरी से एक बड़े हादसे से बचाव हुआ। नाव पर सवार लोग बताते हैं कि वे खेत से परवल तोड़कर नाव में लोड कर मनिहारी सब्जी मंडी जा रहे थे, और अचानक गंगा नदी में तेज पछिया हवा के कारण नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। नाव में 35 लोग सवार थे, जो परवल की बोरियों और टोकरी के सहारे नदी में तैरने लगे ताकि अपनी जान बचा सकें। इधर अंचल पदाधिकारी स्नेहा कुमारी ने बताया कि नौका दुर्घटना की सूचना मिली थी। नाव में कुल 35 लोग सवार थे। 30 क्विंटल परवल लेकर जा रहे थे। अप्रिय घटना नहीं घटी है। उन्होंने बताया कि जल्द ही सभी नावों का रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा और बिना रजिस्ट्रेशन के नाव चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गुजरात: देश में 45% विधायकों के खिलाफ केस, 21% गुजरात में

राजपूत रणजीत/गुजरात: देश में गुजरात के 55 फीसदी विधायक ग्रेजुएट भी नहीं हैं। गुजरात के 98 विधायकों ने कक्षा 5 या कक्षा 5 से 12 या डिप्लोमा से कम पढ़ाई की है। राष्ट्रीय औसत 35% यानी 1,440 विधायकों के पास ग्रेजुएशन से कम है और 24% यानी 977 विधायकों के पास पोस्ट ग्रेजुएशन या उससे ऊपर की डिग्री है। देश में सिर्फ 10 फीसदी यानी 400 महिलाएं विधायक हैं।

मध्य प्रदेश: अभिषेक कालोनी सिवनी में होली महोत्सव सम्पन्न

विकास सियारिया

मध्य प्रदेश: जन समस्या निवारण संस्थान सिवनी द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शहीद वार्ड अभिषेक कॉलोनी सिवनी में बड़े धूमधाम से होली महोत्सव व महिला जागृति कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ समाजसेवी श्रीमान महेंद्र पंड्या जी के मुख्य आतिथ्य एवं ब्रह्माकुमारी आस्था दीदी व ब्रह्माकुमारी कविता दीदी की विशिष्ट आतिथ्य में बड़े धूमधाम से मनाया गया।

सर्वप्रथम उपस्थित सदस्यों ने परम परमात्मा का स्मरण किया। इसके उपरांत श्रीमती कंचन सोनी द्वारा अतिथियों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। व श्रीमती देवश्री गढ़वाल द्वारा ब्रह्माकुमारी दीदियों को रंगीन दुपट्टा से सम्मान किया गया। आगे शरीर को निरोगी रखने के लिए ब्रह्माकुमारी कविता दीदी द्वारा योग प्राणायाम कराया

गया। सभी सदस्यों ने योग प्राणायाम प्रतिदिन करने का संकल्प लिया। आगे ब्रह्माकुमारी आस्था दीदी द्वारा होली पर्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उपस्थित सदस्यों ने अपने मन से बुराइयों का त्याग करने का संकल्प लिया एवं अपनी-अपनी अंतर्मन की बुराइयों की होली जलाई।

संस्थान की अध्यक्ष ने उपस्थित सभी सदस्यों को होली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए अधिक से अधिक महिलाओं से योग करने, निरोगी रहने व आत्मनिर्भर बनने हेतु संस्थान द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षण ग्रहण कर अपने परिवार की स्थिति को सुदृढ़ बनाने की अपील की।

श्रीमती त्रिवेणी राय ने शानदार होली गीत से सभी के मन को मुग्ध किया। सभी ने एक-दूसरे को तिलक वंदन कर फूल बरसाकर व रंग-बिरंगी गुलाल से तिलक लगाकर होली के गीतों में नृत्य किया। आगे भी स्वस्थ रहने के लिए योग करने व छोटे-छोटे पर्वों को मनाए जाने हेतु संकल्पित हुए। आज के होली महोत्सव में चार चांद लगाने वाली संस्थान परिवार की सक्रिय पदाधिकारियों व कॉलोनी निवासियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिसमें मुख्य रूप से संस्थान की महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती पार्वती डहेरिया, समाजसेवी श्री रमेश नेमा, श्री नीकेलाल भरतद्वाज, श्रीमती अरूणा यादव, श्रीमती त्रिवेणी राय, श्रीमती लक्ष्मी सूर्यवंशी, श्रीमती देव श्री गढ़वाल, श्रीमती कंचन सोनी, श्रीमती कंचन भलावी, श्रीमती रजनी पंड्या, श्रीमती मीना डहेरिया, श्रीमती विनीता डहेरिया, श्रीमती पुष्पा चौरसिया, श्रीमती शशि नेमा, श्रीमती लक्ष्मी मशराम, श्रीमती मुन्नी चंदेल, श्रीमती प्रगति शर्मा, श्रीमती बेबी डहेरिया, श्रीमती आरती ठाकुर, श्रीमती सविता चौरसिया, श्रीमती साधना सोनी, श्रीमती आशा डहेरिया, तृप्ति सिंग, ज्योत्स्ना सोनी, आराधना यादव, आरती सूर्यवंशी, कमला जी, रामप्यारी यादव, रामदुलारी सूर्यवंशी, श्रीमती चंदा कुशवाहा, श्रीमती पद्मा भारतद्वज आदि अधिक संख्या में महिलाओं की उपस्थिति से आयोजन सम्पन्न हुआ। अंत में सदस्य श्रीमती रजनी पंड्या ने होली की शुभकामनाएं प्रस्तुत कर सभी का आभार व्यक्त किया।

एक नजर

गुजरात: अहमदाबाद के तंदूर होटल में नसरीन बानो की हत्या से गरमाया मामला

राजपूत रणजीत/गुजरात: अहमदाबाद एयरपोर्ट के पास तंदूर होटल में 22 साल की नसरीन बानो की लाश मिलने का मामला अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने सुलझा लिया है। चिंतन वाघेला नाम का युवक लड़की के साथ सिर्फ उसे लेकर कमरे में गया।

आशंका जताई जा रही है कि बच्ची की गला दबाकर हत्या की गई है। यह भी पता चला है कि वह लड़की का दोस्त है। पता चला है कि हत्या के बाद वह आनंद भाग गया था। फिलहाल आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है और उससे पूछताछ जारी है।

गुजरात: जन शिक्षा संस्थान द्वारा क्षमता निर्माण प्रशिक्षण की शुरूआत

राजपूत रणजीत/गुजरात: 17 मार्च को जन शिक्षा संस्थान गांधीनगर द्वारा क्षमता निर्माण प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया, जिसमें गांधीनगर जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती आनंदीबेन पटेल, कलोल नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती हिमांशीबेन सोनालकी, जेके लक्ष्मी सीमेंट समन्वयक श्रीमती पारुलबेन, सीएसआर समन्वयक एस्ट्रल फाउंडेशन की विशेष उपस्थिति रही। श्रीमती आरतीबेन पटेल, सार्वजनिक शिक्षा संस्थान की निदेशक श्रीमती निताबेन शाह, श्रीमती दीनाबेन चोकसी, कार्यक्रम स्टाफ और प्रशिक्षक बहनें उपस्थित थीं। उपस्थित महानुभावों ने उपस्थित बहनों का मार्गदर्शन कर प्रशिक्षण प्रारंभ किया।

उत्तर प्रदेश: सोनभद्र में युवक ने पानी टंकी से कूद कर दी जान

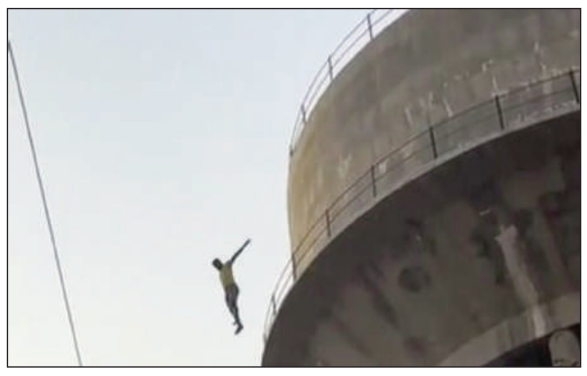

इंद्रेश कुमार पांडे/उत्तर प्रदेश: सोनभद्र पानी टंकी से कूद कर आत्महत्या करने की सनसनीखेज घटना ने पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया। युवक की पहचान शागिर अंसारी, 20 वर्ष, पुत्र असगर अंसारी के रूप में हुई, जो ओबरा परियोजना कॉलोनी स्थित निर्माण अधिनियम वाराणसी परियोजना में संविदा कर्मी के रूप में कार्य करता था। शागिर अंसारी रोज की तरह घर आ रहा था कि अचानक ऊंची पानी टंकी पर चढ़ गया और चढ़कर अचानक छलांग लगा दी।

आसपास के लोगों ने जब युवक को गिरते देखा तो घटना की जानकारी उसके परिजनों को दी। आनन-फानन में युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, लेकिन किसी चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मच गया, परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

उत्तर प्रदेश: सपा सांसद ने सदन में सोनभद्र तक नई रेल लाइन बिछाने पर दिया जोर

इंद्रेश कुमार पांडे/उत्तर प्रदेश: सांसद ने सदन में बोले सोनभद्र तक नई रेल लाइन बिछाने का, सोनभद्र लोकसभा रेल अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान रावटसगंज लोकसभा क्षेत्र से सपा सांसद छोटेलाल खरवार ने डीडीयू नगर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के गृह क्षेत्र होते हुए सोनभद्र तक नई रेल लाइन बिछाने की मांग की है और बेहतरीन कनेक्टिविटी से जोड़ने पर जोर दिया है।

सांसद ने डीडीयू नगर से नारायणपुर, अहरौरा, मधुपुर होते हुए सोनभद्र तक रेल लाइन भी चलाने की मांग रखी। इसके बाद चुनार, लूस, घोरावल को मध्य प्रदेश से जोड़ते हुए नई रेलवे लाइन बिछाकर ट्रेन चलाने की भी मांग की और सोनभद्र रेलवे स्टेशन के सुंदरीकरण और रावटसगंज-रामगढ़ मार्ग पर ओवर ब्रिज बनाने की भी मांग सदन में रखी।

सपा सांसद छोटेलाल खरवार ने कहा कि रावटसगंज लोकसभा क्षेत्र का चकिया विधानसभा क्षेत्र केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का गृह क्षेत्र है, इसके बावजूद यह क्षेत्र आज भी रेल लाइन से नहीं जुड़ पाया है। डीडीयू नगर से चकिया, नौगढ़ से सोनभद्र वाया भभुआ होते हुए नई रेल लाइन बिछाने की जरूरत है, जिससे इस क्षेत्रवासियों के लिए आवागमन सरल हो जाएगा।

मध्य प्रदेश: केंद्रीय रेल मंत्री का गुजरात राज्य का दौरा

साबिर मोहम्मद मंसूरी

मध्य प्रदेश: केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने गुजरात के अपने दौरे के दौरान अहमदाबाद, आणंद और दाहोद रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया और इन स्थानों पर चल रही रेलवे की विभिन्न इंफ्रास्ट्रक्चरल परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया।

रेल मंत्री श्री वैष्णव ने अहमदाबाद स्टेशन पहुंचकर स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने चल रहे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की। इसके बाद, श्री वैष्णव ने मीडिया प्रतिनिधियों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष गुजरात राज्य के लिए 17,155 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो 2009-14 के औसत वार्षिक परिव्यय का 29 गुना है। गुजरात में रेलवे द्वारा बुलेट ट्रेन सहित लगभग 1,27,000 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। अहमदाबाद स्टेशन पुनर्विकास के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि स्टेशन पुनर्विकास का काम जोरों पर चल रहा है। डिजाइन को संरचनात्मक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इसे स्थानीय विरासत मूल्यों के साथ सौंदर्य की दृष्टि से एकीकृत किया गया है। रेलवे ट्रैक के ऊपर एक कॉनकोर्स रूफ प्लाजा की योजना बनाई गई है, जिसमें प्रतीक्षा क्षेत्र और यात्रियों की सुविधाएं होंगी। इस परियोजना में कालूपुर आरओबी और सारंगपुर आरओबी को जोड़ने वाला एलिवेटेड रोड नेटवर्क भी शामिल है, जो मौजूदा सड़कों के सतही क्षेत्र से दोगुना से भी ज्यादा होगा और नेशनल हाई स्पीड रेल टर्मिनल (बुलेट ट्रेन), मेट्रो और बस रैपिड ट्रांसपोर्ट (इफ्ळ) के साथ रेलवे के मल्टीमॉडल एकीकरण द्वारा निर्बाध परिवहन की सुविधा प्रदान करेगा। रेल मंत्री ने बताया कि काम का क्रम इस तरह से योजनाबद्ध किया गया है कि यात्रियों को कम से कम असुविधा हो और उनकी कम से कम ट्रेन रद्द हो। उसके बाद, रेल मंत्री आणंद के लिए रवाना हुए और अहमदाबाद - आणंद सेक्शन का निरीक्षण किया।

रेल मंत्री आणंद रेलवे स्टेशन पहुंचे और स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने स्टेशन पर वन स्टेशन वन प्रोडक्ट (डरडढ) स्टॉल का भी दौरा किया।

मीडिया से चर्चा करते हुए, आणंद स्टेशन पर मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए, श्री वैष्णव ने बताया कि 2014 से गुजरात में 1000 से अधिक रेल ओवर ब्रिज और रेल अंडर ब्रिज का निर्माण किया गया है। साथ ही, 2014 से 3,144 किलोमीटर का विद्युतीकरण किया गया है। कवच का काम भी तेज गति से आगे बढ़ रहा है। गुजरात में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का काम पूरा हो गया है। इससे क्षेत्र में पोर्ट कनेक्टिविटी बढ़ी है। उन्होंने आगे बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत गुजरात के 87 स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। बाद में, माननीय रेल मंत्री ने बुलेट ट्रेन परियोजना के ट्रैक निर्माण बेस (रेल वेल्डिंग कार्य) का दौरा किया और निरीक्षण किया, उसके बाद चल रहे आणंद हाई स्पीड रेल (HSR) स्टेशन के काम का निरीक्षण किया। श्री वैष्णव ने श्रमिकों के साथ बातचीत की और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान के लिए उनकी सराहना की और उन्होंने उनके साथ सेल्फी भी ली।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने दाहोद स्थित लोकोमोटिव रोलिंग स्टॉक वर्कशॉप का दौरा किया। रेल मंत्री ने वर्कशॉप में सिम्युलेटर सहित फैक्ट्री का निरीक्षण किया और 9000 एचपी डब्ल्यूएजी लोकोमोटिव के नवविकसित प्रोटोटाइप का निरीक्षण किया। रेल मंत्री ने इस लोकोमोटिव के सभी पहलुओं का निरीक्षण किया, जो दाहोद वर्कशॉप में निर्मित सबसे शक्तिशाली लोकोमोटिव (9000 HP) में से एक है। श्री वैष्णव ने मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए बताया कि प्रोटोटाइप लोको तैयार है और परीक्षण चल रहे हैं। यह लोकोमोटिव मेक इन इंडिया है और कवच तकनीक सहित कई उन्नत सुविधाओं से लैस है। जल्द ही, लोको का निर्यात शुरू हो जाएगा और यह दाहोद को दुनिया भर में एक वैश्विक नाम देगा। इससे दाहोद के चांदी का भोरियू (कड़ा) और झुलडी (कोटि) भी दुनिया भर में प्रसिद्ध हो जाएंगे। रेल मंत्री ने बताया कि वर्कशॉप का काम पूरा होने वाला है और जल्द ही इसे देश के प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्कशॉप ने स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा किए हैं।

रेल मंत्री श्री वैष्णव के साथ संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के माननीय सांसद, विधायक और जनप्रतिनिधि मौजूद थे। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे, एनएचएसआरसीएल आदि के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

राजस्थान: ग्राम पंचायतों को सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

करण शर्मा

राजस्थान: सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिला परिषद फलोदी के कार्यवाहक अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी ललीत गर्ग ने आदेश जारी कर जिले की सभी पंचायत समितियों और ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया है कि वे समयबद्ध रूप से सूचना उपलब्ध कराएं और किसी भी प्रकार की टालमटोल से बचें।

राष्ट्रवादी विचारक व आरटीआई एक्टिविस्ट सत्यनारायण जोशी ने फलोदी जिले की 08 पंचायत समितियों और 218 ग्राम पंचायतों में पूर्व शासनकाल के दौरान हुए भ्रष्टाचार को उजागर करने के लिए सूचना मांगी थी। इस संबंध में उनके द्वारा प्रशासन से अपील की गई थी, जिसके बाद अतिरिक्त सीईओ ने यह आदेश जारी किया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी सूचना प्रदान करें, अन्यथा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इस आदेश के बाद पंचायत स्तर पर कार्य कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों की जवाबदेही बढ़ गई है। अब किसी भी अधिकारी के लिए सूचना रोकना आसान नहीं होगा। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों का सख्ती से पालन किया जाए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सूचना का अधिकार आमजन के सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण माध्यम है, लेकिन कई बार इसे लागू करने में प्रशासनिक स्तर पर टालमटोल देखी जाती है। इस आदेश के बाद यह उम्मीद की जा रही है कि पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और नागरिकों को उनके अधिकारों के तहत आवश्यक जानकारी समय पर प्राप्त हो सकेगी।

उत्तर प्रदेश: दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट में वांछित समाजवादी शिक्षक सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पुलिस हिरासत में

अरुण कुमार पटेल

उत्तर प्रदेश: बलिया भीमपुरा थाना क्षेत्र के एक स्कूल में परीक्षा देने आई कक्षा 10वीं की नाबालिग छात्रा के साथ स्कूल प्रबंधक पर दुष्कर्म का आरोप लगा है।

पीड़िता के चाचा की शिकायत पर भीमपुरा पुलिस ने रविवार की रात मुकदमा दर्ज कर आरोपी जनार्दन यादव पुत्र स्व. ब्रह्मशंकर यादव निवासी ब्राहिम पुर बनकटवा, थाना भीमपुरा, बलिया को गिरफ्तार कर धारा 64 (2) च, 351 (2) बीएनएस व 3/4 पाक्सो एक्ट में चालान न्यायालय भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गाजीपुर जिले की करीमुद्दीनपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने भीमपुरा थाना पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि उसकी भतीजी का एडमिशन बासमती सरजू हायर सेकेन्ड्री स्कूल खरऊपुर बलिया में हुआ है, जिसका परीक्षा केंद्र एसवीबीसीआईसी खरऊपुर ऊस्कर में था, जिसके प्रबंधक जनार्दन यादव हैं। एक मार्च को उनके मित्र (जिनके यहां उनकी बच्ची ठहरी थी) ने छात्रा को परीक्षा केंद्र पर छोड़ा। उस दिन गणित का पेपर था। प्रबंधक जनार्दन यादव ने प्रश्न पत्र समझाने के बहाने विद्यालय परिसर स्थित एक अलग कमरे में ले जाकर छात्रा से दुष्कर्म किया और उसे जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद से भतीजी डरी सहमी रहने लगी थी, पूछने पर रोते हुए पूरी जानकारी दी। चाचा ने पुलिस को शिकायत कर कार्रवाई के साथ बच्ची और परिवार की सुरक्षा की भी मांग की। थाना प्रभारी मदन पटेल ने कहा कि शिकायत पर आरोपी के खिलाफ धारा 64 (2) च, 351 (2) बीएनएस व 3/4 पाक्सो एक्ट पंजीकृत किया गया था। विवेचना के क्रम में अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु भीमपुरा पुलिस टीम द्वारा दविश दी जा रही थी। इसी क्रम में भीमपुरा थानाध्यक्ष मदन पटेल मय हमराहियों हेड कां. राजीव यादव व कां. जयसिंह चौहान द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त जनार्दन यादव को भीमपुरा थाना क्षेत्र के खरऊपुर गुड्डू यादव के ईट भट्ठा के पास गिरफ्तार किया गया।

राजस्थान: आसींद कांग्रेस पार्टी के ब्लॉक स्तरीय स्नेह मिलन एवं बैठक का आयोजन

पारसमल बुनकर

राजस्थान: आसींद ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय पर ब्लॉक स्तरीय मीटिंग आयोजित की गई, जिसमें प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देश पर प्रभारी नरेंद्र सिंह आमली ने सभा को संबोधित कर आगामी पंचायतराज, पंचायत समिति, जिला परिषद एवं नगर निकायों के होने वाले चुनाव में पार्टी को बूथ स्तरीय कमेटी बनाने और ब्लॉक में मंडल अध्यक्ष की जल्दी ही कार्य करने पर विस्तृत जानकारी दी। इसमें कार्यकर्ताओं का होली सम्मेलन कार्यक्रम एवं आम सभा का आयोजन भी किया गया। जिला प्रभारी नरेंद्र सिंह ने कहा कि जमीन से जुड़े कार्यकर्ता पार्टी के संगठन के लिए आगे आएं, जो लोग निष्क्रिय हैं, उन्हें हम सब मिलकर जागरूक करें तथा पार्टी में नए सिरे से मंडलों को मजबूत करने में अहम भागीदारी निभाएं। पूर्व विधायक हगामी लाल मेवाड़ा ने कहा कि सक्रिय होकर आने वाले चुनाव के लिए समर्पित रहें तथा कांग्रेस के जितने भी संगठन हैं, उनमें ऊर्जा का संचार करें।

जिन मंडलों में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की घोषणा नहीं हुई है, उनकी सूची तुरंत मंडल अध्यक्ष को दें ताकि कांग्रेस पार्टी फिर से मजबूत होकर अपना परचम लहरा सके। कांग्रेस जिला अध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी ने कहा कि आपसी भेदभाव को बुलाकर संगठित होकर पार्टी कार्यक्रम में भाग लेने तथा फिर से कांग्रेस को मजबूत एवं संगठित करने के लिए गांव-गांव में कार्यकर्ता सक्रिय होकर अपना दायित्व निभाएं। प्रदेश सचिव गोवर्धन लाल गुर्जर ने कहा कि क्षेत्र में कार्यकर्ताओं की निष्क्रियता की वजह से ही कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ रहा है।

इसलिए कार्यकर्ता अब संगठित होकर कार्य करें। ब्लॉक अध्यक्ष शंभू लाल गुर्जर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यकताओं को एकजुट रहने की बात कही। इस मौके पर उदय लाल खटीक, ताराचंद मेवाड़ा, अशोक साहू, तेजमल गुर्जर, अशोक कुमार पीपाड़ा, जगदीश चंद्र कुमावत, हंसराज जाट, भेरू सिंह भाटी, मदन सिंह रावत, भागीरथ गुर्जर, ताराचंद जी शर्मा, पारसमल बुनकर, नानूराम मेघवंशी, पार्षद राहुल अटवाल, गजेंद्र खटीक, शरीफ मोहम्मद, दिनेश सोनी, चांदमल खटीक, दुर्गा प्रसाद लखारा, कार्यालय प्रभारी जगदीश शर्मा सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद थे।

सुनील कुमार खुराना ने अपने नाम किया आइडियल इंडियन बुक रिकॉर्ड

घनश्याम दास

उत्तर प्रदेश: सहारनपुर सुनील कुमार खुराना प्राथमिक विद्यालय ग्राम बाधी, तहसील नकुड़, जिला सहारनपुर, उत्तर प्रदेश में प्रधानाध्यापक के पद पर कार्यरत हैं। इस समय सुनील कुमार खुराना भारत सरकार की निपुण भारत बनाने की महत्वपूर्ण कार्य योजना के अंतर्गत एआरपी के पद पर कार्यरत हैं। सुनील कुमार खुराना साहित्यिक क्षेत्र में गूगल पर प्रसिद्ध नाम हैं। सुनील कुमार खुराना के 90 साझा संकलन प्रकाशित हो चुके हैं। सुनील कुमार खुराना को कई बार नेपाल में साहित्यिक क्षेत्र में सम्मानित किया जा चुका है। सुनील कुमार खुराना की लेखनी लगातार गद्य और पद्य में अपना लेखन देश और समाज के हित के लिए कर रही है।

अभी हाल ही में सुनील कुमार खुराना ने भारत सरकार के मध्य प्रदेश सरकार के अंतर्गत पंजीकृत नव प्रज्ञा काव्य फाउंडेशन द्वारा देश भर में 1024 सदस्यों के साथ सबसे बड़ी समिति सदस्यता का रिकॉर्ड स्थापित करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जिसमें सुनील कुमार खुराना का नाम भी दर्ज है। यह उपलब्धि सुनील कुमार खुराना के साहित्यिक क्षेत्र और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में उनके बढ़ते प्रभाव को उजागर करती है। यह उपलब्धि पूरे भारत में एकता को बढ़ावा देने और सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए सुनील कुमार खुराना के समर्पण और सहयोगात्मक प्रयासों को दशार्ती है। इस उपलब्धि को प्राप्त करने के बाद सुनील कुमार खुराना को वरिष्ठ, अग्रज साहित्यकारों और परिवार जनों की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित की जा रही हैं। शुभकामनाएं देने वालों में बेबी रानी, साक्षी खुराना, भानू प्रताप सिंह, दिव्या, ज्योति, खुशी, नैन्सी, डॉ. देव, सूमित, आदित्य, शशि, नगीनी देवी, श्याम सिंह, देवेन्द्र कुमार, कुलदीप सिंह, श्री पाल आदि खुराना साहब के लिए उनके उज्जवल भविष्य की मंगलकामना कर उन्हें इस महान कार्य के लिए बधाई दे चुके हैं क्योंकि सुनील कुमार खुराना एक सच्चे देशभक्त और समाजसेवी इंसान हैं।

बिहार: महालक्ष्मी नारायण महायज्ञ को लेकर 1100 कन्या व महिलाओं ने निकाली कलश शोभा यात्रा

दिलीप कुमार दाश

बिहार: नौतन प्रखंड के शिवराजपुर पंचायत में महालक्ष्मी नारायण राम जानकी मंदिर परिसर में दस दिनों तक महायज्ञ का आयोजन को लेकर सोमवार को भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा में लगभग 1100 कुंवारी कन्या एवं महिला श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यात्रा में शामिल श्रद्धालु मंदिर परिसर से निकलकर विभिन्न गांवों का भ्रमण करते हुए गंगा नदी पहुंचे। जहाँ सभी शामिल श्रद्धालुओं ने गंगा नदी में अपने-अपने कलश में जल भरकर पुनः मंदिर परिसर में पहुंचकर कलश यात्रा में घोड़ा, गुप्ता रथ, हाथी, और गाजे-बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई और वैदिक मंत्रों का उच्चारण करते हुए कलश को स्थापित किया। वहीं मंदिर कमेटी के अध्यक्ष संतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि पिछले 9 वर्षों से ग्रामीणों के सहयोग से महालक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया गया है।

इस वर्ष भी हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया है। उन्होंने बताया कि आज सोमवार को गाजे-बाजे के साथ जल यात्रा निकाली गई। इस मेले में तरह-तरह के खेलकूद जैसे ब्रेक डांस, मौत कुआं, टावर, झूला, विभिन्न प्रकार के बच्चों को खेलने के लिए सामग्री आई हुई है, जिसमें एक से बढ़कर एक दुकान भी लगाई गई है। कमेटी के सहयोग से और ग्रामीणों के सहयोग से इस महायज्ञ को सफल बनाने में योगदान रहेगा। वाचन वृंदावन मथुरा से परम पूज्य साध्वी समाहिता दीदी द्वारा किया जाएगा। कथा के सफल आयोजन को लेकर संतोष कुमार द्विवेदी, पुष्कल दुबे, छोटन पाठक, मुन्ना सिंह, रोशन कुमार, अंकुश कुमार, सुमंत सोनी, मनु सोनी, अनिल कुमार, पिंटू पांडे, रवीश सिंह, निरंजन मिश्रा सहित अन्य ग्रामीण सक्रिय हैं।

उत्तर प्रदेश: बांसडीह रोड पुलिस ने दो बाल अपचारियों सहित सात अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

अरुण कुमार पटेल

उत्तर प्रदेश: थाना बांसडीह रोड द्वारा 15 मार्च 2025 को ग्राम सरयां में मारपीट कर एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल करने और इलाज के दौरान उक्त व्यक्ति की मृत्यु हो जाने से संबंधित 02 बाल अपचारियों व 05 वांछित अभियुक्तों, कुल 07 नफर अभियुक्त/अपचारी गिरफ्तार किए गए।

बलिया पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों/वांछित अभियुक्तों/वारंटियों के विरुद्ध चलाए जा रहे धरपकड़ के सघन अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) अनिल कुमार झा के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी महोदय बांसडीह प्रभात कुमार के नेतृत्व में आज सोमवार (17.03.2025) को पूर्वाह्न 10.40 बजे थानाध्यक्ष बांसडीह रोड अजय पाल द्वारा हमराहियों के साथ मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना बांसडीह रोड में पंजीकृत मु०अ०सं० 58/2025 धारा 103(1), 191(2), 191(3), 3(5), 352 बीएनएस से संबंधित/वांछित पांच नफर अभियुक्तों विकेश उर्फ विक्की बिन्द पुत्र मुनरिका प्रसाद उर्फ मुंद्रिका बिन्द उम्र 20 वर्ष निवासी डुमरी थाना बांसडीह रोड जनपद बलिया, भुल्लू बिन्द उर्फ भोलू पुत्र सूर्यनाथ बिन्द उम्र 19 वर्ष निवासी डुमरी थाना बांसडीह रोड जनपद बलिया, इन्द्रदेव बिन्द पुत्र मुन्नीलाल बिन्द उम्र 19 वर्ष निवासी डुमरी थाना बांसडीह रोड जनपद बलिया, मन्टू बिन्द पुत्र इन्दल बिन्द उम्र 19 वर्ष निवासी डुमरी थाना बांसडीह रोड जनपद बलिया और विशाल बिन्द पुत्र काशीनाथ बिन्द उम्र 19 वर्ष निवासी डुमरी थाना बांसडीह रोड जनपद बलिया और दो बाल अपचारियों को सुरहाताल के पास से गिरफ्तार किया गया। जिनके द्वारा 15 मार्च 2025 को रात्रि करीब 09.30 बजे के आस-पास ग्राम डुमरी थाना बांसडीह रोड जनपद बलिया के राजेश साहनी पुत्र चन्द्र दीप साहनी को लाठी, डंडे व रॉड से मारे-पीटे थे तथा जान मारने की नियत से चाकू से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घायल राजेश साहनी की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी।

गिरफ्तार/पुलिस अभिरक्षा में लिए गए सभी अभियुक्तों/अपचारियों को माननीय न्यायालय भेज दिया गया। पकड़े गए अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त तीन लोहे की खोखली रॉड/पाइप और दो लकड़ी की लाठी बरामद की गई। गिरफ्तार करने वाली टीम में थानाध्यक्ष अजय पाल, उ०नि० अजय कुमार सिंह, उ०नि० शुभेन्द्र सिंह, उ०नि० संदीप कुमार, हे०का० मनरूप यादव, हे०का० अनिल कुमार, का० सौरभ गिरी, का० आदित्य प्रताप श्रेयांस, का० कुलदीप कुमार, का० शोभित मौर्य, का० सरफराज अहमद, का० बृजेश यादव और का० सुनील कुमार शामिल रहे।

मध्य प्रदेश: मऊगंज में एक द्विवेदी परिवार के युवक की आदिवासियों ने की हत्या

सौरभ कुमार मिश्रा

मध्य प्रदेश: मऊगंज जिले के शाहपुर थाना अंतर्गत गड़रा गांव में एक द्विवेदी परिवार के युवक की आदिवासियों ने हत्या कर दी। बताया गया है कि मौके पर पहुंची पुलिस पर भी पत्थर और धारदार हथियार से कातिलाना हमला किया गया है। थाना प्रभारी संदीप भारतीय समेत कई पुलिसकर्मी घायल हैं, उन्हें रीवा रेफर किया गया है। एसडीओपी को भी बंधक बनाए जाने की खबर है। नइगढ़ी, मऊगंज के अलावा अन्य थानों का बल मौके पर बुलाया गया है।

आदिवासियों ने महिला अधिकारी, तहसीलदार और थाना प्रभारी शाहपुर पर कुल्हाड़ी सहित अन्य घातक हथियार से जानलेवा हमला किया, महिला अधिकारी को बनाया बंधक, आदिवासियों ने बंधक बनाए युवक रज्जन की हत्या कर दी।

एसएएफ के एएसआई रामचरण गौतम की हमले से हुई मौत।

सम्पादकीय

गड़े मुर्दे उखाड़ते नफरत के ये सौदागर

विगत दस वर्षों से देश का सामाजिक ढांचा छिन्न भिन्न करने के सत्ता संरक्षित प्रयास जिस तरह से किये जा रहे हैं उन्हें देखकर तो अब यही लगने लगा है कि हमारे देश की राजनीति और सत्ता अपने मूल उद्देश्य से भटक चुकी है। सत्ता के चाहवानों के लिये देश की विकासोन्मुख योजनाऑन ,नागरिकों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाएं,बिजली पानी सड़क रोजगार स्वास्थ शिक्षा मंहगाई नियंत्रण से कहीं ज्यादा जरूरी साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण बन चुका है। वैसे भी जिन लोगों को नित्य सूर्योदय के साथ ही हाथों में लठ देकर नफरत का पाठ पढ़ाया जाता हो, जिस विचारधारा का प्रतिनिधित्व करने वाले आरएसएस प्रमुख द्वितीय एम एस गोलवलकर स्वयं अपनी पुस्तक 'बंच ऑफ थॉट्स' में ये विचार व्यक्त कर चुके हों कि -'मुसलमान ईसाई और कम्युनिस्ट राष्ट्र के दुश्मन हैं। उस संगठन व उससे जुड़े अन्य संगठनों के लोगों से नफरत का जहर बोने के सिवा और क्या उम्मीद की जा सकती है ? इन्हें केवल मुसलमानों ईसाइयों और कम्युनिस्ट विचार के लोगों से ही नहीं बल्कि हर उन लोगों से भी नफरत है जो इनके साम्प्रदायिकतावादी और नफरती एजेंडे के खिलाफ हो। इसकी एक बड़ी व महत्वपूर्ण वजह यह भी है कि इस विचारधारा के लोगों के स्वतंत्रता संग्राम के समय के स्वयं अपने 'ट्रैक रिकार्ड' इतने खराब व शर्मनाक हैं कि उन्हें छिपाने के लिये उनपर होने वाली चचाओं से ध्यान भटकाने के लिये ही यह शक्तियां मुसलमानों,ईसाइयों और कम्युनिस्टों के साथ साथ देश के उन बहुसंख्य धर्मनिरपेक्ष हिन्दुओं को भी निशाना बनाती हैं जो इनके मूल चरित्र व विध्वंसक इरादों से अच्छी तरह वाकिफ हैं। इन अतिवादी शक्तियों का एक ही मकसद है कि येन केन प्रकारेण यह सत्ता में बनी रहें। इसलिये इन्होंने साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण को ही अपना सबसे आसान 'शस्त्र ' चुन लिया है।

यही वजह है कि इन्हें देश का महान नायक टीपू सुल्तान बुरा लगता है। इन्हें प्रत्येक मुगल शासक से नफरत है। इन्हें किसी भी मुगल शासक में सिवाय बुराई के कोई भी अच्छाई नजर नहीं आती। इन्हें उर्दू से नफरत,शेरो शायरी से बैर,पीरों फकीरों की मजारों से आपत्ति,उनके स्मारकों से नफरत उनके नाम पर बने शहरों कस्बों मुहल्लों गलियों व मार्गों से बैर। गोया यह विचारधारा देश की एक ऐसी संगठित विचारधारा है जिसका जन्म ही नफरत की बुनियाद पर हुआ है। और निश्चित रूप से यही विचारधारा और इसी दैनिक प्रातःकालीन नफरती शिक्षा का ही परिणाम था जिसने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी को हमसे असमय ही छीन लिया। केवल गाँधी को ही नहीं छीना बल्कि आज गाँधी का हत्यारा नाथू राम गोडसे इसी विचारधारा के लोगों के द्वारा महिमामंडित भी किया जाता है। कितना अफसोसनाक है कि इसी नफरती विचारधारा से जुड़े लोग गाँधी के हत्यारे की मूर्तियां भी लगाते दिखाई दे जाते हैं उस आतंकी हत्यारे की स्तुति भी करते हैं। और तो और गाँधी की हत्या का प्रदर्शन दोहरा कर उसका वीडियो भी वायरल कर दिया जाता है। जबकि ठीक इसके विपरीत अंग्रेजों की खुशामद करने वाले, अंग्रेजों से मुआफी मांगने तथा स्वतंत्रता सेनानियों की मुखबिरी करने वाले लोग इनके आदर्श हैं ?

विद्वेष व नकारात्मकता की इनकी राजनीति का आलम यह है कि इन्हें खास समुदाय के गरीब मेहनती मजदूरों,रेहड़ी ठेले रिक्शे वालों से नफरत है। रोजगार उपलब्ध करना तो छोड़िये यह तो मुसलमान दुकानदारों का बहिष्कार करते दिखाई दे जायेंगे। इन्हें मुसलमानों के सोसाइटीज में फ़्लैट खरीदने से आपत्ति होती है। इन्हें नमाज पढ़ने रोजा इफ़्तार से एतराज। मुसलमानों के हिन्दू त्योहारों में शिरकत से भी इन्हें आपत्ति है परन्तु इनकी उत्तेजक व आपत्तिजनक नारेबाजी व हुड़दंग की प्रिय जगह मस्जिद ही है। जब देखिये जहां देखिये मस्जिद के सामने डी जे व लाउडस्पीकर पर जानबूझकर शोर मचाते हैं भड़काऊ नारे लाउडस्पीकर पर लगाते हैं ताकि दूसरा पक्ष उत्तेजित होकर इनका जवाब दे और यह हुड़दंग साम्प्रदायिक उन्माद में बदल जाये। जहाँ देखिये इन्हें मस्जिदों में शिवलिंग नजर आने लगता है।

कलियुग का बीरबल है मस्क का ग्रोक

-राकेश अचल-

आजकल भारत में ग्रोक का हल्ला है। ग्रोक एक ऐसा चैटबॉक्स है जो आपके हर सवाल का जबाब देता है। बेझिझक देता है। लाजबाब है। हाजिर जबाब है। इन दिनों भारत में लोग ग्रोक को अपना गुरू मानने लगे है ।ग्रोक एक ऐसा गुरु है जो जाति,धर्म और लिंग भेद से बहुत ऊपर है। ग्रोक ठेठ समाजवादी है। सबके लिए उपलब्ध है। ग्रोक दुनिया में किसी की नहीं सुनता सिवाय अपने मालिक एलन मस्क के। भारत के लोग जब राम मंदिर बना रहे थे, कुम्भ में डुबकियां लगा रहे थे। तब एलन मास्क ग्रोक को अमली जामा पहना रहे थे।

आपने भी शायद मेरी तरह बचपन में अकबर-बीरबल के किस्से सुने होंगे ।मुल्ला नसरुद्दीन की कहानियां सुनी होंगीं। जो हर सवाल का जबाब देने में माहिर थे। बीरबल की बुद्धिमत्ता के सामने मुगले आजम अकबर भी नतमस्तक हो जाते थे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तकनीक के जमाने में आम जनता अकबर है और ग्रोक बीरबल। बस आप सवाल कीजिये और ग्रोक गुरु पलक झपकते आपके सवाल का जबाब पेश कर देंगे। अभी तक ये काम गूगल गुरु के जिम्मे था लेकिन अब ग्रोक ने गूगल गुरु को भी पछाड़ दिया है।ग्रोक 3 पृथ्वी का सबसे स्मार्ट एआई है।

दरअसल आज दुनिया के तमाम मुल्कों में फांसीवादी और तानाशाही प्रवृत्तियां तेजी से सिर उठा रही है। दुनिया के तमाम सत्ताप्रतिष्ठान अपनी जनता के सवालों के जबाब देने के लिए राजी नहीं हैं ,ऐसे में ग्रोक-3 के अवतरण ने लोगों को चौंका दिया है ।लोग ग्रोक के दीवाने हो गए हैं। ग्रोक वे सब जानकारियां दे रहा है जो सत्ता प्रतिष्ठान छुपाने की कोशिश करता है। ग्रोक अभी भारत,ऑस्ट्रेलिया ,फिलीपींस और दो अन्य देशों के लिए ही उपलब्ध है। अमेरिका को ग्रोक की जरूरत नहीं है।चीन की और ग्रोक देख नहीं सकता। भारत के नेता ग्रोक से आतंकित हैं क्योंकि ग्रोक दूध का दूध ,पानी का पानी करता दिखाई दे रहा है। भारत की सरकार ने बीबीसी द्वारा मोदी जी को लेकर बनाई गयी फिल्म प्रतिबंधित कर दी थी लेकिन ग्रोक 3 को प्रतिबंधित नहीं किया गया है। किया भी नहीं जा सकता क्योंकि ग्रोक उस एलन मस्क का दास है जिसके घर आदरणीय मोदी जी बच्चे खिलने गए थे।

आपको सरल भाषा में बताऊँ तो अब ग्रोक कलिकाल का सबसे बड़ा और प्रामाणिक गुरु है। आज की पीढ़ी को यदि गुरु के बारे में बताया जाएगा तो कहा जाएगा

ग्रोक ब्रम्हा,ग्रोक विष्णु,ग्रोक देवो महेश्वरा
ग्रोक साक्षात परमब्रम्ह तस्मै ,श्री ग्रोको नमो नमः

ग्रोक कृत्रिम बुद्धि का ऐसा अनूठा उदाहरण है जो आभासी दुनिया के किसी भी मंचपर उयलब्ध किसी भी सूचना का विश्लेषण कर आपके सामने उपस्थित हो जाता है ,वो भी पलक झपकते हुए। ग्रोक त्रिनेत्र है। ग्रोक आभासी दुनिया पर मौजूद तस्वीरों,वेब सूचनाओं और पीडीएफ फाइलों को पढ़ने में समर्थ है ग्रोक की तीक्ष्ण बुद्धि का आधार उसका विशाल डाटा संग्रह है। इस समय दुनिया में 400 से अधिक सोशल मीडया मंच उपलब्ध हैं लेकिन इनमें 20 ही ज्यादा प्रचलन में हैं। ग्रोक-3 इन सबसे ऊपर है। सबसे आगे है। ग्रोक के रहते आपको कोई पप्पू नहीं बना सकता ,जैसे कि भारत में भाजपा और संघ ने राहुल गांधी को पप्पू बना दिया था। ग्रोक जनता को पप्पू के बारे में असली और प्रामाणिक सूचनाएं देने में समर्थ है ,

प्रश्नाकुल भारतीय समाज के लिए ग्रोक एक अजूबा है। लोग ग्रोक से वे सब सवाल कर रहे हैं जिनका उत्तर उसे सत्ता प्रतिष्ठान की और से नहीं मिल रहा। जनता जितना राहुल गाँधी के बारे में सवाल कर रही है, उससे ज्यादा प्रधानमंत्री मोदीजी के बारे में सवाल कर रही है। ग्रोक जनता को दोनों की हकीकत बता रहा है। ग्रोक के मुंहफट होने से सत्ता प्रतिष्ठान भयभीत है। सत्ता प्रतिष्ठान कोआशंका है कि ग्रोक भाजपा और संघ का तिलस्म तोड़ सकता है। अब भारत की सरकार के सामने दो ही विकल्प हैं ।पहला ये कि ग्रोक को प्रतिबनाधित किया जाये और दूसरा ग्रोक से समझौता कर लिया जाये।

औरंगजेब, छावा और इकतरफा इतिहास

-राम पुनियानी-

> संभाजी महाराज छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे बड़े पुत्र थे। शिवाजी के साम्राज्य में जो अधिकारी थे, उनमें से कई मुसलमान थे। मौलाना हैदर अली उनके विश्वासपात्र सचिव थे और सिद्धी संबल, इब्राहिम गर्दी और दौलत खान समेत उनकी सेना के 12 जनरल भी मुसलमान थे। जब उनका अफजल खान से आमना-सामना होने वाला था तब उन्हें एक लोहे का पंजे साथ ले जाने की सलाह दी गई जो उन्हें उनके सहायक रूतम-ए-जमान ने दिया था। अफजल खान को मौत के घाट उतारने के बाद अफजल खान के सचिव कृष्णाजी भास्कर कुलकर्णी ने शिवाजी पर हमला करने का प्रयास किया था।

इतिहास का इस्तेमाल राजनीति में करने से साम्प्रायिक नफरत बढ़ रही है और पिछले कुछ सालों में इसमें कई नए मुद्दे जोड़ दिए गए हैं। आरएसएस की शाखाओं, सोशल मीडिया, भाजपा के आईटी सेल, मुख्यधारा का मीडिया, विशेषकर कई टीवी चैनलों के जरिए, अपने प्रोपेगेंडा को आगे बढ़ाने और ब्रेनवाश करने के अलावा अब फिल्मों के माध्यम से भी समाज में व्याप्त गलतफहमियों को गहरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

हालिया अतीत में द केरेला स्टोरी, कश्मीर फाईल्स आदि फिल्मों ने समाज में नफरती उन्माद को बढ़ाने का काम किया है। कई अन्य फिल्में जैसे स्वातंत्रयवीर सावरकर, 72 हूरें, सम्राट पृथ्वीराज आदि अधिक सफलता हासिल नहीं कर सकीं। अब पूरे देश में और खासकर महाराष्ट्र में छावा नामक फिल्म के शो हाउसफुल हो रहे हैं और नफरत को और बढ़ा रहे हैं। यह कोई इतिहास को दर्शाने वाली फिल्म नहीं है बल्कि शिवाजी सावंत के छावा नामक उपन्यास पर आधारित है। फिल्म में दिखाई गई कुछ असंगत बातों के लिए फिल्म के निर्माता पहले ही माफी मांग चुके हैं।

फिल्म में छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन की कुछ चुनिंदा घटनाओं को दिखाकर यह साबित करने का प्रयास किया गया है कि औरंगजेब जालिम और हिंदू विरोधी था। कुल 126 मिनिट की फिल्म में लगभग 40 मिनिट तक संभाजी महाराज को दी गई यंत्रणा को दिखाया गया है। फिल्म के इस हिस्से में फिल्म बनाने वालों ने एक काल्पनिक कथा के लेखक की तरह मनचाही बातें दिखाई हैं। पूरे आख्यान में मध्यकालीन इतिहास को उदार हिंदू राजाओं और दुष्ट मुस्लिम राजाओं के टकराव के रूप में पेश किया गया है।

संभाजी महाराज छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे बड़े पुत्र थे। शिवाजी के साम्राज्य में जो अधिकारी थे, उनमें से कई मुसलमान थे। मौलाना हैदर अली उनके विश्वासपात्र सचिव थे और सिद्धी संबल, इब्राहिम गर्दी और दौलत खान समेत उनकी सेना के 12 जनरल भी मुसलमान थे। जब उनका अफजल खान से आमना-सामना होने वाला था तब उन्हें एक लोहे का पंजे साथ ले जाने की सलाह दी गई जो उन्हें उनके सहायक रूतम-ए-जमान ने दिया था। अफजल खान को मौत के घाट उतारने के बाद अफजल खान के सचिव कृष्णाजी भास्कर कुलकर्णी ने शिवाजी पर हमला करने का प्रयास किया था।

शिवाजी पर आक्रमण करने वाली औरंगजेब की सेना के सेनापति राजा जयसिंह थे। शिवाजी को औरंगजेब के दरबार में पेश होने के लिए बाध्य किया गया और बाद में कैद कर लिया गया। उन्हें कैद से भागने में मदद करने वाले व्यक्ति का नाम मदारी मेहतर था, जो एक मुस्लिम राजकुमार था।

हिदुत्व के जनक सावरकर और गोलवलकर संभाजी के चरित्र पर ऊंगली उठाते हैं और सुरा-सुंदरी के प्रति उनकी आसक्ति का जिक्र करते हैं। इन्हीं आदतों के चलते शिवाजी ने उन्हें पनहाला किले में कैद कर दिया था। बाद में संभाजी ने शिवाजी के खिलाफ हुए युद्ध में औरंगजेब का साथ दिया। संभाजी बीजापुर के आदिलशाह के खिलाफ हुए युद्ध में भी औरंगजेब के सहयोगी थे।

शिवाजी की मौत के बाद हुए सत्ता संघर्ष में संभाजी के सौतेले भाई (शिवाजी की दूसरी पत्नि सोयराबाई के पुत्र) ने उन्हें जहर देने का प्रयास किया। साजिश का भंडाफोड़ होने के बाद संभाजी ने कई हिंदू अधिकारियों को मौत के घाट उतरवा दिया था। औरंगजेब के साथ हुए युद्ध के लिए औरंगजेब ने अपने जनरल राठौड को भेजा था। संभाजी के पकड़े जाने के बाद उन्हें अपमानित किया गया और यंत्रणा दी गई जिसे बहुत बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया गया है। फिल्म के जरिए औरंगजेब के संबंध में कई मान्यताओं को और गहरा करने का प्रयास किया गया है। उन्हें अपने विरोधियों के प्रति अत्यंत क्रूर दिखाया गया है। यहां सवाल इन आरोपों का जवाब देने का नहीं है बल्कि साम्राज्यों के संचालन के तौर-तरीकों को समझने का प्रयास करने का है। राजाओं का अपने शत्रुओं के साथ बहुत क्रूर व्यवहार करना आम बात थी और इसके बहुत से उदाहरण मिलते हैं। इतिहासकार रूचिका शर्मा बताती हैं कि चोल राजाओं ने चालुक्य सेना को पराजित करने के बाद चालुक्य जनरल समुद्रराज का सिर धड़ से अलग कर दिया और उसकी सुंदर पुत्री की नाक काट दी। अशोक का कलिंग युद्ध भयावह निर्ममताओं के लिए जाना जाता है। राजाओं का अपने शत्रुओं के प्रति व्यवहार अत्यंत नृशंस होता था और उसे आज के मानदंडों की कसौटी पर नहीं कसा जा सकता। और हम आज की घटनाओं के बारे में क्या कहेंगे जब मुसलमानों पर लगे आरोप अदालत में साबित होने के पहले ही बुलडोजर उनके घरों को मिट्टी में मिला देते हैं।

हम उस हिंदू राजा के बारे में क्या कहेंगे जिसका एक किला एक पहाड़ की चोटी पर था और राजा के खिलाफ साजिश रचने वालों को हाथ-पैर बांधकर किले से गहरी घाटी में फेंक दिया जाता था? बाला सामंत ने अपनी पुस्तक में सूरत की लूटपाट के दौरान शिवाजी की सेना द्वारा ढाए गए जुल्मों का विवरण दिया है। सेना और जुल्म का बहुत निकट का संबंध था। शत्रुओं के साथ क्रूरता निश्चित ही निंदनीय है, लेकिन यह एक सामान्य बात थी। जब संभाजी की मराठा सेना ने गोवा पर आक्रमण किया, तब एक पुर्तगाली द्वारा दिए गए विवरण के अनुसार (जिसे इतिहासकार यदुनाथ सरकार ने उद्धत किया है) अब तक भारत में कहीं भी ऐसी निर्ममता नहीं देखी गई। हालांकि जुल्मों के इन विवरणों को गौर से देखा जाना चाहिए, लेकिन इससे यह स्पष्ट होता है कि हिंसा एक व्यापक प्रवृत्ति थी, भले ही उसका स्तर कम या ज्यादा होता था। क्या औरंगजेब हिंदू विरोधी था? यह कहा जा सकता है कि औरंगजेब न तो अकबर जैसा था और ना ही दारा शिकोह जैसा। वह एक रूढ़िवादी व्यक्ति था और एक ओर जहां वह हिंदुओं और इस्लाम के गैर-सुन्नी पंथों को पसंद नहीं करता था, वहीं दूसरी ओर वह गठबंधन कायम करने में अत्यंत कुशल था और उसके प्रशासन में बहुत से हिंदू अधिकारी थे। जैसा कि प्रोफेसर अतहर अली बताते हैं कि औरंगजेब के प्रशासन में हिंदू अधिकारियों का संख्या अधिकतम (33 प्रतिशत) थी।

यह बिल्कुल सही है कि उसने कई मंदिरों को नष्ट किया। लेकिन उसने कामाख्या देवी (गुवाहाटी), महाकालेश्वर (उज्जैन) चित्रकूट बालाजी और वृंदावन में भगवान कृष्ण जैसे कई मंदिरों को धन भी दिया। शिवाजी भी हजरत बाब बहोत थोरवाले की सूफी दरगाह के लिए धन देते थे।

गोंडी विद्यालय बंद: आदिवासी संस्कृति के अस्तित्व को खतरा

-प्रियंका सौरभ-

महाराष्ट्र में गोंडी-माध्यम विद्यालय का बंद होना भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए संवैधानिक अधिकारों को लागू करने में कठिनाइयों को उजागर करता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 350अ के अनुसार राज्यों को भाषाई अल्पसंख्यक बच्चों की मूल भाषा में प्राथमिक शिक्षा प्रदान करनी होती है, लेकिन विभिन्न प्रशासनिक, वित्तीय और सामाजिक-राजनीतिक बाधाएँ अक्सर इस लक्ष्य को बाधित करती हैं। जनजातीय भाषाएँ और संस्कृतियाँ पहचान, इतिहास और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों से निकटता से जुड़ी हुई हैं। किसी भाषा के खत्म होने का मतलब है दुनिया के बारे में एक अलग दृष्टिकोण का गायब होना। वैश्वीकरण, जबरन आत्मसात करने और अपर्याप्त औपचारिक मान्यता के कारण कई जनजातीय भाषाएँ खतरे में हैं। इसके अतिरिक्त, सांस्कृतिक विरासत-जिसमें अनुष्ठान, कला, लोकगीत और पारंपरिक प्रथाएँ शामिल हैं, को पलायन, वनों की कटाई और आधुनिकीकरण से खतरा है। जबकि भारतीय संविधान अनुच्छेद 350अ के माध्यम से भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करता है, जो मातृभाषा शिक्षा को अनिवार्य बनाता है, मैसूर में केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान की रिपोर्ट है कि पिछले 50 वर्षों में 220 से अधिक भाषाएँ लुप्त हो गई हैं, जिनमें से कई स्वदेशी भाषाओं को शैक्षिक समर्थन की कमी है।

गोंडी-माध्यम विद्यालयों का बंद होना भाषाई विरासत को संरक्षित करने के लिए चल रहे संघर्ष को उजागर करता है। अनुच्छेद 29 अल्पसंख्यकों को अपनी भाषा, लिपि और संस्कृति को बनाए रखने का अधिकार देता है, जो जबरन आत्मसात करने से रोकने में मदद करता है और शिक्षा और शासन दोनों में सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देता है। सर्वोच्च न्यायालय ने टी.एम.ए. पाई फाउंडेशन मामले में भाषाई अल्पसंख्यकों के अधिकारों को सुदृढ़ किया, शैक्षिक संस्थानों के प्रबंधन में उनकी स्वतंत्रता की पुष्टि की। अनुच्छेद 350अ के तहत राज्यों को बच्चों की मूल भाषाओं में प्राथमिक शिक्षा का समर्थन करने की आवश्यकता होती है, जिससे भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए सीखने के परिणामों में सुधार होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 बहुभाषी शिक्षा की वकालत करती है, जिसमें बचपन में मातृभाषा आधारित शिक्षा पर जोर दिया जाता है। आठवीं अनुसूची 22 भाषाओं को मान्यता देती है, जिससे भाषाई विकास के लिए राज्य का समर्थन सुनिश्चित होता है; हालाँकि, गोंडी और भीली जैसी महत्त्वपूर्ण आदिवासी भाषाएँ उल्लेखनीय रूप से अनुपस्थित हैं। जबकि लगभग 25, 000 लोगों द्वारा बोली जाने वाली संस्कृत को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया है, लगभग 2.9 मिलियन बोलने वालों वाली गोंडी को शामिल नहीं किया गया है, जो व्यवस्थित बहिष्कार के पैटर्न को दशार्ता है। आदिवासी क्षेत्रों में स्वायत्त शासन और सांस्कृतिक संरक्षण की आवश्यकता है, जिसमें शिक्षा और भाषा नीतियों के प्रबंधन का अधिकार भी शामिल है। हालाँकि पूवोत्तर में स्वायत्त ज़िला परिषदें आदिवासी भाषाओं का समर्थन करती हैं, लेकिन मध्य भारत में समान सुरक्षा का अभाव है।

1996 का "पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम" आदिवासी स्वशासन के महत्त्व को स्वीकार करता है, ग्राम सभाओं को सांस्कृतिक और शैक्षिक मुद्दों के बारे में निर्णय लेने का अधिकार देता है, जिससे संवैधानिक सुरक्षा मजबूत होती है। हालाँकि, मोहगाँव ग्राम पंचायत द्वारा गोंडी-माध्यम विद्यालय स्थापित करने के प्रस्ताव को नौकरशाही नियमों के कारण खारिज कर दिया गया था। गोंडी-माध्यम विद्यालय को बंद करना इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे अनम्य प्रशासनिक प्रथाएँ आदिवासी स्वायत्तता को कमजोर कर सकती हैं, जिसके परिणामस्वरूप उनकी मूल भाषा में शिक्षा की कमी होती है। हालाँकि शिक्षा के अधिकार के दिशा-निदेर्शों का उपयोग स्कूल को बंद करने को सही ठहराने के लिए किया गया था, लेकिन संवैधानिक प्रावधान हैं जो स्थानीय शासन का समर्थन करते हैं। आदिवासी भाषाओं को अक्सर संस्थानों द्वारा अनदेखा किया जाता है, जो संस्कृत और हिन्दी जैसी भाषाओं को दिए जाने वाले समर्थन के विपरीत है, जो सामाजिक-राजनीतिक हाशिए के पैटर्न को दशार्ता है। गोंडी-माध्यम की पाठ्यपुस्तकों के लिए न्यूनतम धन उपलब्ध है, जबकि संस्कृत को राज्य का काफी समर्थन प्राप्त है। आठवीं अनुसूची से आदिवासी भाषाओं को बाहर करने से उनका विकास बाधित होता है, जिससे उनके लुप्त होने का खतरा है। जबकि "राष्ट्रीय शिक्षा नीति" 2020 संस्कृत संस्थानों को बढ़ावा देता है, आदिवासी भाषाओं के लिए कोई समान ढांचा नहीं है। इसके अतिरिक्त, आदिवासी भाषाएँ औपचारिक नौकरी के अवसरों से जुड़ी नहीं हैं, जो शिक्षा में उनके महत्त्व को कम करती हैं। नौकरी की आवश्यकताओं में आमतौर पर हिन्दी या अंग्रेजी को प्राथमिकता दी जाती है, जिससे आदिवासी भाषाओं में शिक्षा कम आकर्षक हो जाती है।

ऐसी स्कूल बंद होने से आदिवासी पहचान के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा होता है, जो मौखिक परंपराओं और सांस्कृतिक साझाकरण में गहराई से निहित है, जिसके परिणामस्वरूप भाषा का संभावित नुकसान हो सकता है। शहरीकरण और वनों की कटाई ने पहले ही आदिवासी कहानी कहने की प्रथा को कम कर दिया है और स्कूलों के बंद होने से यह गिरावट और तेज हो गई है। हालाँकि "पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम" स्वायत्तता की एक हद तक सुविधा प्रदान करता है, लेकिन स्थानीय निर्णय, जैसे कि मोहगाँव द्वारा अपने स्कूल के बारे में लिए गए निर्णय, अक्सर अनदेखा कर दिए जाते हैं, जो जमीनी स्तर पर शासन को कमजोर करता है। कानूनी समर्थन के साथ भी, भाषा और शिक्षा से सम्बंधित आदिवासी निर्णयों को अक्सर ज़िला प्रशासन के विकल्पों द्वारा दरकिनार कर दिया जाता है। अतिरिक्त भाषाओं को मान्यता देने की प्रक्रिया राजनीति में फंसी हुई है और धीमी गति से आगे बढ़ रही है, जिससे आदिवासी भाषाओं की मान्यता में बाधा आ रही है। उदाहरण के लिए, बोडो को व्यापक वकालत के बाद 2003 में आधिकारिक तौर पर मान्यता दी गई थी, फिर भी बड़ी संख्या में बोलने वालों के बावजूद गोंडी को मान्यता नहीं मिली है।

विदेशी महिलाओं से दुष्कर्म से शर्मसार होता देश

-ललित गर्ग-

अतिथि देवो भवः भारतीय संस्कार में मेहमान को भगवान का दर्जा दिया गया है, लेकिन आए दिन विदेशी मेहमानों के साथ हो रहे अपराध, यौन-दुराचार एवं व्यभिचार इसे धता बता रहे हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद विदेशियों के साथ होने वाले अपराध कम नहीं हो रहे, ऐसी ही दो विदेशी महिलाओं संग हुई दरिंदगी की घटनाओं को सुन भारतीय लोगों का दिल दहल गया। कर्नाटक के हंपी में इस्राइली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ गैंगरेप की घटना का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि दिल्ली में एक ब्रिटिश पर्यटक से दुराचार का घृणित मामला सामने आया है। थोड़े-थोडे. अन्तराल के बाद होने वाली ऐसी घटनाएं न केवल शर्मसार कर रही है बल्कि भारत के संस्कारों एवं अस्मिता पर भी दाग लगा रही है। हाल के दिनों में भारत में यौन अपराधों की बाढ़-सी आई हुई है। न केवल विदेशी बल्कि भारतीय महिलाओं के साथ घृणित यौन अपराधों की इन तमाम घटनाओं को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस नैतिक पराभव का कारण क्या है? कहीं न कहीं ये जीवन मूल्यों में क्षरण एवं विकृत होती मानसिकता का भी परिचायक है। दरअसल, इंटरनेट और कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री की बाढ़-सी आई हुई है। देश का युवा उसकी चपेट में आकर भटकाव की राह में बढ़ रहा है, जिसे नियंत्रित करना सरकार एवं प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए एवं सामाजिक जागृति का माहौल भी बनाया जाना चाहिए।

निश्चय ही विदेशी महिलाओं के साथ होने वाले ऐसे घिनौने एवं दुराचारी कृत्य देश की छवि को धूमिल करने वाले है। हंपी की घटना तो भयावह थी, जिसमें रात में कैंपिंग कर रहे तीन पर्यटकों को नहर में फेंक दिया गया और तीन अपराधियों ने इस्राइली महिला व एक भारतीय महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया। दोनों महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं नदी में फेंके गए एक पर्यटक की मौत हो गई, जिसका शव बरामद कर लिया गया। पर्यटकों में एक अमेरिकी व दो भारतीय थे। बदमाशों ने न केवल दुष्कर्म किया बल्कि मारपीट व लूटपाट भी की। हालांकि, तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन देश की प्रतिष्ठा को जो आंच आई है, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं। इसने न सिर्फ समाज की छवि को धूमिल किया, बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा पर भी प्रभाव डाला है। यह भारतीय पर्यटन को आहत कर सकता है, बहुत संभव है कि विदेशी सरकारें भारत आने वाले पर्यटकों को लेकर कोई नकारात्मक एडवाइजरी जारी करें।

समाज विज्ञानियों को आत्ममंथन करना होगा कि यौन अपराधों को लेकर सख्त कानून बनने के बावजूद इस आपराधिक प्रवृत्ति पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? विदेशों में भारत की छवि यौन अपराधियों के चलते लगातार क्षत-विक्षत हो रही है। गाहे-बगाहे सुनसान पर्यटक स्थलों पर यौन दुर्व्यवहार की घटनाएं अक्सर सुनने को मिलती हैं। लेकिन दिल्ली के एक होटल में एक ब्रिटिश पर्यटक के साथ दुष्कर्म का मामला अधिक चिन्ताजनक है। एक युवक ने सोशल मीडिया पर दोस्ती करके भारत घूमने आई ब्रिटिश महिला को दिल्ली बुलाया और एक होटल में दुष्कर्म किया। इस मामले में ब्रिटिश दूतावास ने संज्ञान लिया है। सवाल है कि जब ऐसी कोई आपराधिक घटना हो जाती है और जनाक्रोश उभरता तथा मामला तूल पकड़ लेता है, तभी सरकार, प्रशासन एवं पुलिस की नींद क्यों खुलती है? यही सक्रियता अगर सामान्य स्थितियों में भी कायम रहे, तो शायद आपराधिक प्रवृत्ति वाले व्यक्ति के भीतर कानूनी कार्रवाई का डर बन सकता है और इस तरह ऐसे अपराधों को पहले ही रोका जा सकता है।

विदेशी महिलाओं के प्रति यह संवेदनहीनता एवं बर्बरता कब तक चलती रहेगी? भारत विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी कई हिस्सों में विदेशी महिलाओं को लेकर गलत धारणा एवं विकृत सोच कायम है जो भारत की गौरवपूर्ण संस्कृति को धुंधलाती है। देश की राजधानी दिल्ली में ब्रिटिश पर्यटक के साथ दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर हमें शर्मसार किया है, झकझोर दिया है। बड़ा सवाल यह है कि नारी अस्मिता को कुचलने की हिंसक मानसिकता का तोड़ हम अब भी क्यों नहीं तलाश पा रहे हैं? क्यों नये-नये एवं सख्त कानून बन जाने के बावजूद नारी की अस्मिता एवं अस्तित्व असुरक्षित है? क्यों हमारे शहरों को ह्यरेप सिटी ऑफ द वर्ल्डह्ण कहा जाने लगा है। आखिर कब तक महिलाओं के साथ ये दरिन्दगीभरी एवं त्रासद घटनाएं होती रहेंगी? नारी की अस्मत का सरेआम लूटा जाना एवं उन पर हिंसा - एक घिनौना और त्रासद कालापृष्ठ है और उसने आम भारतीय को भीतर तक झकझोर दिया।

कौन मानेगा कि यह वही दिल्ली है, जो करीब तीन दशक पहले निर्भया के साथ हुई निर्ममता पर इस कदर आन्दोलित हो गई थी कि उसे इंसाफ दिलाने सड़कों पर निकल आई थी। जाहिर है, समाज की विकृत सोच को बदलना ज्यादा जरूरी है। रेप, यौन-दुष्कर्म, व्यभिचार जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए रेपिस्टों एवं दुष्कर्मियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने और पुलिस व्यवस्था को और चाक-चौबंद करने की मांग के साथ समाज के मन-मिजाज को दुरुस्त करने का कठिन काम भी हाथ में लेना होगा। ये घटनाएं शिक्षित समाज के लिए बदनुमा दाग है। अगर ऐसी घटनाएं होती रहीं तो फिर कानून का खौफ किसी को नहीं रहेगा और अराजकता की स्थिति पैदा हो जाएगी। कानून कितने भी क्यों न हों जब तक समाज स्वयं महिलाओं को सम्मान नहीं देगा तब तक कुछ नहीं हो सकता। समाज तमाशबीन बना रहेगा तो फिर कौन रोकेगा हैवानियत, दरिन्दगी को, बलात्कार को।

जैसे-जैसे देश आधुनिकता की तरफ बढ़ता जा रहा है, नया भारत-सशक्त भारत-शिक्षित भारत बनाने की कवायद हो रही है, वैसे-वैसे महिलाओं पर हिंसा एवं यौनाचार के नये-नये तरीके और आंकड़े भी बढ़ते जा रहे हैं।

अवैध व्यापार, बदला लेने की नीयत से तेजाब डालने, साइबर अपराध, आनलाइन मित्रता और लिव इन रिलेशन के नाम पर यौन शोषण एवं हिंसा के तरीके हैं। पहले कहा जाता था कि ऐसे अपराध केवल निरक्षर और दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा होते हैं लेकिन आजकल शहरों और महानगरों में महिलाओं एवं विशेषतः विदेशी महिलाओं के साथ अन्याय एवं यौन-दुष्कर्म की खबरें देखने और पढ़ने को मिल जाती हैं। हम सभी कल्पना रामराज्य की करते हैं पर रच रहे हैं महाभारत। महाभारत भी ऐसा जहां न कृष्ण है, न युधिष्ठिर और न अर्जुन। न भीष्म पितामह हैं, न कर्ण। सब धृतराष्ट्र, दुर्योधन और शकुनि बने हुए हैं। न गीता सुनाने वाला है, न सुनने वाला। बस हर कोई द्रोपदी का चीरहरण कर रहा है। सारा देश चारित्रिक संकट में है। जब समाज की मानसिकता दुराग्रहित है तो दुष्कर्म एवं दुष्प्रवृत्तियां ही होती हैं। कोई आदर्श संदेश राष्ट्र को नहीं दिया जा सकता।

प्रेसवार्ता में बूम माइक्रोफोन ट्रंप के चेहरे से टकराया, डर से झुक गए राष्ट्रपति बंद कर ली आंखें

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आए दिन किसी न किसी वजह से चर्चा में हैं। इस बार उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें ट्रंप के साथ प्रेस वार्ता में एक रिपोर्टर के साथ एक अजीब घटना घटी। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पत्रकारों से बात कर रहे थे, तभी एक रिपोर्टर का बूम माइक्रोफोन ट्रंप के चेहरे से टकरा गया। इस पर ट्रंप की त्वरित प्रतिक्रिया हुई और वह अनजाने में पीछे झुक गए और अपनी आँखें बंद कर लीं। ट्रंप ने इस घटना को हंसी में टालने की कोशिश की, लेकिन उनके चेहरे पर नाराजगी साफ दिख रही थी। अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि वह बूम माइक ऑपरेटर उस समय किस मीडिया आउटलेट के लिए काम कर रहा था। बताया जा रहा है कि यह घटना उस समय हुई जब ट्रंप गाजा बंधक स्थिति पर चर्चा कर रहे थे। तभी माइक्रोफोन ट्रंप के चेहरे पर लगा, जिससे उनके चेहरे पर झुंझलाहट पैदा हो गई। बूम माइक्रोफोन को डेड कैट या विंड मफ्स भी कहा जाता है क्योंकि यह सिंथेटिक फर कवर से ढका होता है। ये फर माइक्रोफोन में हवा को प्रवेश करने से रोकने में इस्तेमाल किया जाता है जिससे रिकॉर्ड होने वाली हवा की आवाज़ कम हो जाती है। सामान्यत: संयुक्त बेस एंड्रयूज या किसी अन्य ऐसे प्रतिष्ठान में प्रेस के साथ बातचीत के दौरान जहां एयर फोर्स वन और मरीन वन द्वारा उत्पन्न शोर को खत्म करना जरुरी होता है, बूम माइक्रोफोन का उपयोग किया जाता है। इस घटना के बाद कई लोगों ने शक जताया कि कोई हानिकारक केमिकल माइक पर लगाकर ट्रंप तक पहुंचाने की कोशिश की गई। एक यूजर ने लिखा कि हमें पता नहीं कि उसके माइक्रोफोन में कोई पदार्थ डाला गया था या नहीं। मुझे उम्मीद है कि ट्रंप के डॉक्टर के जरिए जांच की जाएगी। एक यूजर ने लिखा कि अगर ट्रंप को कुछ हो जाता है तो मैं माइक्रोफोन को दोष दूंगा। एक अन्य यूजर ने लिखा कि उस माइक पर जहर या किसी तरह का जैविक वायरल हो सकता है। इस व्यक्ति को तुंरत गिरफ्तार किया जाए।

8 अमेरिकी राज्यों में 40 बवंडर, 34 मौतें

–10 करोड़ लोग प्रभावित, 2 लाख घरों में ब्लैक आउट

वॉशिंगटन। अमेरिका में अलबामा, मिसीसिपी, लुसियाना, इंडियाना, अरकंसास, मिसौरी, इलिनॉय और टेनेसी राज्य टॉरनेडो (बवंडर) की चपेट में हैं। इन राज्यों में अब तक 40 टॉरनेडो आ चुके हैं। मौसम विभाग ने हालात और ज्यादा गंभीर होने की आशंका जाहिर की है। शनिवार और रविवार को अब तक 34 लोगों की जान जा चुकी है। मिसौरी में सबसे ज्यादा 12 मौतें हुई हैं। 10 करोड़ अमेरिकी आबादी प्रभावित है। 2 लाख घरों में बिजली गुल हो गई है। कैनसस में धूलभरी आंधी के चलते हाईवे पर लगभग 50 गाडियां टकरा गईं। इसमें 8 लोगों की मौत हुई। मिसिसिपी में 6 लोगों की मौत हो गई और तीन लापता हैं। 100 किमी/घंटे की रफ्तार से धूलभरी आंधी चल रही है। अरकंसास में आंधी की रफ्तार 265 किमी/घंटे रिकॉर्ड की गई। इमारतें और सडक़ें तबाह हो गई हैं। कनाडाई बॉर्डर पर बर्फीले तूफान और गर्म इलाकों में जंगलों में आग लगने की आशंका जाहिर की जा रही है।

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को बड़ा झटका, चीफ बशीर जेब की हत्या

पेशावर। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) को बड़ा झटका लगा है। संगठन के प्रमुख बशीर जेब की इराक में हत्या कर दी गई। यह हत्या ऐसे समय हुई जबकि बीएलए ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन का अपहरण कर पूरी दुनिया को चौंका दिया था। बीएलए प्रमुख बशीर जेब की हत्या इराक में हुई है। उन्हें उसी जगह गोली मारी गई, जहां वे छिपे हुए थे। उन्होंने इस बात अंदेशा पहले ही जताया था। दो दिन पहले जेब ने कहा था कि उन्हें बिना किसी को पता चले मार दिया जाएगा। अभी तक किसी संगठन ने हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली और न ही हत्या क्यों की गई यह स्पष्ट हो पाया है।

कौन थे बशीर और कैसे बने बीएलए चीफ?

–2018 में बने प्रमुख- इससे पहले बीएलए की कोर कमेटी के सदस्य थे।

–बीएलए की गतिविधियां बढ़ाईं- उनके नेतृत्व में बलूचिस्तान में संगठन की सक्रियता बढ़ी।

–इंजीनियरिंग की पढ़ाई- क्वेटा के डिग्री कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी।

–पिता हैं डॉक्टर- बलूचिस्तान के प्रसिद्ध चिकित्सक परिवार से ताल्लुक रहा है, उनके पिता एक मशहूर डॉक्टर हैं।

बीएलए और सरकार के बीच बढ़ता संघर्ष

बीएलए पाकिस्तान से बलूचिस्तान की आज़ादी के लिए लड़ने वाला संगठन है। पाकिस्तान सरकार ने इसे आतंकी संगठन घोषित कर रखा है, जबकि बीएलए इसे स्वतंत्रता संग्राम मानता है।

ट्रेन हाईजैक का वीडियो आया सामने, जगह-जगह शव और हथियार आ रहे नजर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन हाईजैक कर ली थी। इस ट्रेन के कुछ वीडियोज सामने आए हैं जिसमें दावा किया जा रहा है कि ये वीडियोज ट्रेन के पैसेंजर्स ने रिकॉर्ड किए हैं। इनमें जगह-जगह शव और हथियार पड़े नजर आ रहे हैं। यह शव बीएलए लड़ाकों के माने जा रहे हैं। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक हाईजैक संकट करीब 36 घंटे चला था। सेना का दावा है कि सभी बलूच विद्रोही मारे गए और सभी बंधकों को छुड़ा लिया गया है। दावों के मुताबिक पूरे ऑपरेशन में पाक सेना के 28 सैनिक और 33 बलूच लड़ाके मारे गए हैं। वीडियोज में ट्रेन के पास पड़े शव के पास पाकिस्तानी सेना के सैनिक खड़े नजर आ रहे हैं। माना जा रहा है कि यह सभी शव ट्रेन हाईजैक करने वाले बीएलए लड़ाकों के हैं। वीडियो से ली गई तस्वीर में ट्रेन की पटरी के पास पड़ा एक शव। वीडियो में एक पैसेंजर इस शव को अपशब्द कहता है और कुछ लोग पत्थर मारते हैं। पैसेंजर कहता है कि वह 36 घंटे से ट्रेन में फंसा है।

ट्रेन हाईजैक मामला: अपनी नाकामियों को छिपाने भारत पर दोष मढ़ रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान का पुराना इतिहास रहा है कि वो अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए सीधे तौर पर भारत को दोषी मानता है। इसके लिए अनर्गल बातें करता है और भारत पर कीचड़ उछालता है। ट्रेन हाईजैक मामले में भी पाकिस्तान भारत पर ही ठीकरा फोड़ दिया है।

पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने बलूचिस्तान में विद्रोहियों को मदद के पीछे भारत को मेन स्पॉन्सर बताया। उन्होंने कहा कि जफर एक्सप्रेस पर हालिया हमला इसी नीति की निरंतरता है। डीजी ने बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगटी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पूरी दुनिया में आतंकवाद फैलाने वाले पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में आतंकवाद के लिए भारत पर मनगढ़ंत आरोप मढ़े।

आईएसपीआर ने कहा कि बलूचिस्तान में हालिया हमला और अतीत में हुए अन्य आतंकी घटनाएं को लेकर हम मानते हैं कि इन हमलों का मुख्य प्रायोजक आपका पूर्वी पड़ोसी (भारत) है। इससे पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने भारत पर इसी तरह के आरोप लगाए थे, जिस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने करारा जवाब दिया था। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, 'पाकिस्तान की ओर से लगाए गए आरोप निराधार हैं और हम इन्हें खारिज करते हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान को दूसरों पर उंगली उठाने की जगह अपनी खुद की विफलताओं का आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। पाकिस्तान बलूचिस्तान राज्य के लोगों पर अत्याचार करता है। बलूच लोग खुद का एक स्वतंत्र देश बनाना चाहते हैं।

भारतीय मीडिया पर निकाला गुस्सा

आईएसपीआर डीजी ने बताया कि पहाड़ी इलाके में आईईडी विस्फोट के जरिए जाफर एक्सप्रेस को रोका गया। इसके अलावा वह भारतीय मीडिया पर भी भड़कते दिखे। उन्होंने कहा कि भारतीय मीडिया आतंकियों के समर्थन में रही। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय मीडिया ने हमले को लेकर दुर्भावनापूर्ण प्रचार करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल से फर्जी वीडियो बनाए। उन्होंने कहा कि स्थिति को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आतंकी अफगानिस्तान में अपने हैंडलर्स के संपर्क में थे। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री अपनी जनता की जगह पाकिस्तान का समर्थन करते दिखे। उन्होंने भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए कहा कि हम अफगानिस्तान के जरिए इंटेलिजेंस युद्ध में हैं। उन्होंने दावा किया कि आतंकी कमांडरों को अफगान जेलों से रिहा कर दिया गया। उनका यह भी दावा था कि आतंकी समूह जैसे टीटीपी और बीएलए समेत अन्य के बीच विभाजन था, लेकिन भारत ने इन्हें एकजुट कर दिया।

सुनीता विलियम्स वापसी को तैयार, आईएसएस में प्रवेश किया नासा का क्रू-10

वॉशिंगटन। नासा और स्पेसएक्स द्वारा संयुक्त रूप से लॉन्च किया गया क्रू-10 मिशन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में प्रवेश कर चुका है। शुक्रवार को स्पेसएक्स ने क्रू-10 मिशन को लॉन्च किया। विलमोर और विलियम्स को आखिरकार घर लौटने की संभावना बढ़ गई। फाल्कन 9 रॉकेट में क्रू ड्रैगन कैप्सूल था। न्यूयॉर्क समय के अनुसार शाम 7 बजे फ्लोरिडा के नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च हुआ। लॉन्च के लगभग 10 मिनट बाद कैप्सूल रॉकेट के ऊपरी चरण से अलग हो गया। स्पेसएक्स ने पुष्टि की कि क्रू आईएसएस की ओर बढ़ रहे हैं। अंतरिक्ष में फंसे अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और विलमोर को वापस लाने का उद्देश्य से इस मिशन को लॉन्च किया गया है। नासा के कार्यक्रम के अनुसार, भारतीय समयानुसार 16 मार्च को रात 11:30 बजे डॉकिंग का समय निर्धारित है। सुबह 10:30 बजे हैच खोला जाएगा। स्पेसफ्लाइट में रेंडेवस का मतलब होता है दो अंतरिक्ष यानों का एक कक्षा में सटीक नेविगेशन के माध्यम से मिलना। डॉकिंग तब होती है जब वे शारीरिक रूप से एक-दूसरे से जुड़ते हैं। क्रू-10 मिशन में डॉकिंग तब होती है जब क्रू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट आईएसएस से जुड़ता है। यह स्वचालित या मैन्युअल रूप से हो सकता है। एक बार सुरक्षित डॉक हो जाने के बाद अंतरिक्ष यात्री हवा की लीक की जांच करते हैं। फिर हैच खोलते हैं।

रूस सुमी क्षेत्र पर हमले की बना रहा योजना, यूक्रेन भी पूरी ताकत से देगा जवाब: जेलेंस्की

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि यूक्रेनी सैनिक अब भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में रूसी और उत्तर कोरियाई सेनाओं से मुकाबला करर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि रूस सुमी क्षेत्र पर हमले की योजना बना रहा है। सोशल मीडिया पर जारी बयान में जेलेंस्की ने कहा कि कीव के सैनिक कुर्स्क में घिरे नहीं हैं, लेकिन रुस एक अलग हमले के लिए अपनी सेना इकट्ठा कर रहा है। उन्होंने कहा कि रूस की सुमी क्षेत्र पर हमला करने की योजना है। हमें इसकी जानकारी है और हम पूरी ताकत से इस हमले का मुकाबला करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हजारों यूक्रेनी सैनिकों ने 2024, अगस्त में रूस के कुर्स्क क्षेत्र के करीब 1300 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर रखा था। इस दौरान यूक्रेन ने कहा था कि यह कदम भविष्य की वार्ताओं में मोलभाव करने और रूस को पूर्वी यूक्रेन से पीछे हटने के लिए मजबूर करने का प्रयास था। हालांकि हाल के दिनों में रूसी सेना को इस इलाके में अहम सफलता मिली है। रूसी सेना के मुताबिक हालिया तेज बढ़त के कारण अब यूक्रेन के पास कुर्स्क में 200 वर्ग किलोमीटर से भी कम क्षेत्र बचा है। मॉस्को ने दावा किया है कि उसने इस क्षेत्र के अहम शहर सुदजा पर कब्जा कर लिया है।

जेलेंस्की ने कहा कि मैं चाहता हूं कि सभी हमारे साझेदार यह समझें कि पुतिन क्या योजना बना रहे हैं, वे किसके लिए तैयारी कर रहे हैं और वे किस बात को नजरअंदाज करेंगे। रुसी राष्ट्रपति पुतिन ने गुरुवार को कहा था कि वह यूक्रेन के साथ 30 दिन के युद्धविराम के ट्रंप के प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। हालांकि उन्होंने कुछ मुद्दों पर स्पष्टीकरण की मांग की थी और कुछ शर्तें भी रखीं थी। शनिवार को ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर ने करीब 25 यूरोपीय नेताओं और अन्य सहयोगियों की बैठक में कहा था कि युद्धविराम को स्वीकार करने के लिए पुतिन पर दबाव बढ़ाने की जरूरत है।

जेलेंस्की ने कहा कि रूसी सेना की तैयारियां यह दर्शाती हैं कि मॉस्को कूटनीति को नजरअंदाज करना जारी रखना चाहता है। यह साफ है कि रूस युद्ध को लंबा खींच रहा है। अपने बयान में जेलेंस्की ने कहा कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पूर्वी यूक्रेनी शहर पोक्रोवस्क के पास युद्ध की स्थिति अब स्थिर है और यूक्रेन ने जंग में अपनी नई घरेलू रूप से निर्मित लंबी दूरी की मिसाइल का इस्तेमाल किया है। कीव अपने घरेलू रक्षा उद्योग का विस्तार करने की योजना बना रहा है ताकि पश्चिमी सहयोगियों पर निर्भरता कम की जा सके जिन्होंने उसे तोपखाने, वायु रक्षा और लंबी दूरी की हमले की क्षमताएं प्रदान की हैं। जेलेंस्की के मुताबिक यूक्रेन की नई लॉन्ग नेप्च्यून मिसाइल की मारक क्षमता 1000 किलोमीटर है।

ईरानी लीडर खामेनेई ने ट्रंप की बातचीत की पेशकश को बताया धोखाधड़ी

–कहा- हमें पता है वे इसका सम्मान नहीं करेंगे, तो बातचीत का क्या मतलब?

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील पर किसी भी तरह की बातचतीत से इनकार कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भेजे गए पत्र के जवाब में खामेनेई ने बातचीत करने से इनकार कर दिया है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह ऐलान किया था कि उन्होंने खामेनेई को एक पत्र भेजकर न्यूक्लियर डील का प्रस्ताव दिया है।

ट्रंप ने कहा था कि ईरान को या तो सैन्य बल से या फिर एक समझौते के जरिए से ही संभाला जा सकता है। यह पत्र बुधवार को ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची को संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति के सलाहकार ने सौंपा था। खामेनेई ने कुछ विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत करते हुए ट्रंप की बातचीत की पेशकश को धोखाधड़ी करार दिया है।

मीडिया के मुताबिक खामेनेई ने कहा कि जब हमें पता है कि वे इसका सम्मान नहीं करेंगे, तो बातचीत करने का क्या मतलब है? खामेनेई ने कहा कि ट्रंप प्रशासन से बातचीत करने का मतलब होगा ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों को और सख्त करना और देश पर दबाव बढ़ाना। बता दें 2018 में ट्रंप ने विश्व शक्तियों के साथ तेहरान के 2015 के परमाणु समझौते से अमेरिका को वापस ले लिया था और प्रतिबंधों को फिर से लागू कर दिया था, जिससे ईरान की अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ा। खामेनेई ने साफ कर दिया है कि ईरान किसी भी तरह की धमकी के तहत बातचीत नहीं करेगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने तेहरान के साथ एक परमाणु समझौते के लिए दरवाजा खुला रखा है, उन्होंने अपने राष्ट्रपति पद के पहले कार्यकाल में अपनाए गए प्रेशर कैंपेन को फिर से शुरू कर दिया है, जिसका उद्देश्य ईरान को वैश्विक अर्थव्यवस्था से अलग करना और इसके तेल निर्यात पर लगाम लगाए रखना है, ताकि तेल मार्केट में उसके मीडिल ईस्ट पार्टर और खुद का दबदबा कायम रहे।

डोनाल्ड ट्रंप को झटका, अदालत ने अवैध अप्रवासन पर रोक लगाई

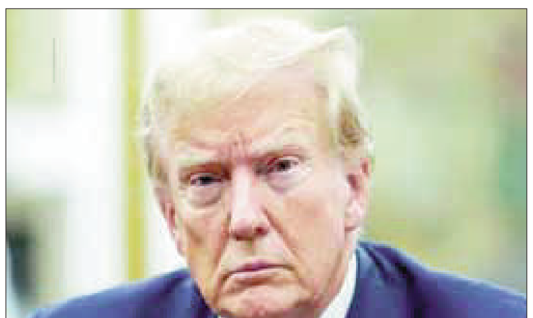

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन की तरफ से अवैध अप्रवासन को रोकने और निर्वासन में तेजी लाने की योजना के तहत 1798 के विदेशी शत्रु अधिनियम का इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। कोर्ट का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब शनिवार को ही ट्रंप ने इस अधिनियम का इस्तेमाल करने की घोषणा करते हुए वेनेजुएला के एक संगठन ट्रेन डे अरागुआ पर निशाना साधा था। ट्रंप ने दावा किया था कि इस संगठन के कई सदस्य अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में आ गए हैं और यह देश के खिलाफ साजिश कर रहे हैं। इसलिए इन्हें निकालना जरूरी है।

शनिवार को राष्ट्रपति ट्रंप के इस मामले में घोषणा करने के कुछ ही समय बाद कोलंबिया के मुख्य न्यायाधीश जेम्स ई बोसबर्ग ने ट्रंप के निर्वासन आदेश को रोकने का निर्देश जारी कर दिया। बोसबर्ग ने इस कानून के तहत 5 वेनेजुएलाई नागरिकों के निर्वासन पर रोक लगा दी। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक बोसबर्ग ने इन नागरिकों की सुनवाई के दौरान अपनी राय रखते हुए कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं अब और इंतजार कर सकता हूँ और मुझे कार्रवाई करने की आवश्यकता है। इसके बाद जज ने इन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

अदालत के आदेश के बाद ट्रंप प्रशासन ने इस प्रतिबंधात्मक आदेश को चुनौती दी। उन्होंने तर्क दिया कि अगर अदालत राष्ट्रपति के किसी काम को उसकी घोषणा के पहले ही रोक देती है तो यह कार्यकारी अधिकार को कमजोर करेगा। न्याय विभाग ने कहा कि अगर अदालत अपना आदेश बरकरार रखती है तो उसे (अदालत को) राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर किए गए उपायों को रोकने की शक्ति भी मिल जाएगी। इसलिए हमें इसे रोक देना चाहिए। वहीं हाल ही में इजरायल विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले फिलिस्तीनी छात्र महमूद खलील को निर्वासित करने के प्रयास वाले फैसले पर भी कोर्ट विचार कर रहा है। बता दें कि ट्रंप अपने चुनावी अभियान के दौरान लगातार अवैध अप्रवासियों से जुड़ा मुद्दा उठाते रहे हैं। वह लगातार अमेरिकी सीमाओं को सुरक्षित करने और अवैध रूप से देश में पहुंचे विदेशी नागरिकों को बाहर निकालने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताते रहे हैं। कोर्ट के इस फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन की घोषणाओं को और भी अधिक कानूनी चुनौती का सामना करने की संभावना बढ़ गई है। ट्रंप द्वारा निर्वासन के लिए पहले की गई कई कार्रवाईयों पर पहले ही अमेरिकी अदालतें विचार कर रही हैं। ऐसे में एक और विरोधी फैसला ट्रंप प्रशासन के लिए मुश्किलें बढ़ाने वाला है। निर्वासन को लेकर ट्रंप प्रशासन ने इससे पहले जन्म के आधार पर नागरिकता वाले कानून पर रोक लगाने का आदेश जारी किया था, कोर्ट की तरफ से इस पर विचार किया जा रहा है।

बीएलए हमले के बाद अब पाकिस्तान को दहलाने टीटीपी चलाएगा अल खंदाक अभियान

–आधुनिक हथियारों से लैस प्रशिक्षित लड़ाकों को किया तैनात

इस्लामाबार्द (एजेंसी)। बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) भीषण हमले के बाद अब देश के सबसे ताकतवर चरमपंथी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाने की घोषणा की है। टीटीपी ने इस अभियान का नाम अल-खंदाक रखा है। मीडिया रिपोर्ट में टीटीपी के बयान के मुताबिक अभियान में आधुनिक हथियारों से लैस, प्रशिक्षित लड़ाकों को लक्षित हमलों, गुरिल्ला छापे, आत्मघाती और स्नाइपर हमलों को अंजाम देने के लिए तैनात किया जाएगा।

पाकिस्तान में विद्रोही समूहों की धमक पंजाब अब पंजाब में दिखाई देने लगी है। पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने पंजाब प्रांत में टीटीपी के एक हमलावर को गिरफ्तार किया है और एक अन्य को घायल कर दिया। गिरफ्तार संदिग्ध को पाकिस्तानी तालिबान का सदस्य और बलूचिस्तान का रहने वाला बताया जा रहा है। वे आत्मघाती हमले की योजना बना रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार संदिग्ध के दूसरे साथी को पकड़ा नहीं जा सका वह फरार हो गया।

मीडिया रिपोर्ट में टीटीपी से जुड़े चैनलों के हवाले से पुष्टि की है कि आत्मघाती हमलावर समूह का सदस्य था। समूह ने कहा कि उसे एक असफल हमले में गिरफ्तार किया गया। उसने विस्फोट करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। समूह ने यह भी दावा किया कि उनका एक अन्य आत्मघाती हमलावर भागने में सफल रहा। पाकिस्तान के आतंकवाद रोधी विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें आतंकियों की मौजूदगी की खुफिया रिपोर्ट मिली थी, जिसके बाद छापेमारी की गई।

संदिग्धों और सुरक्षा एजेंसियों के बीच मुठभेड़ हुए, जिसमें एक आतंकी घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। काउंटर टेररिज्म विभाग के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि पकड़ा गया सदस्य टीटीपी का सदस्य है। उसके पास से आत्मघाती जैकेट और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है।

तूफानी बवंडर से हिल गया अमेरिका, 27 की मौत, 10 करोड़ लोगों पर संकट

वाशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिका में एक भयानक तूफान देखने को मिला है, जिसने भारी तबाही मचाई है। अमेरिका के कुछ हिस्सों में हिंसक बवंडर का खतरा जानलेवा और विनाशकारी साबित हुआ। शनिवार को मिसिसिपी वैली और डीप साउथ की ओर तेज हवाएं बढ़ीं, जिसमें कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई और कई घर तबाह हो गए। मिसौरी, अर्कांसस, टेक्सास और ओक्लाहोमा सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य हैं।

देश भर में चल रहे एक विशाल तूफान प्रणाली के कारण हवाएं पैदा हुईं, जिसने घातक धूल भरी आंधी और 100 से अधिक जंगल की आग को भड़काया। कनाडाई सीमा से टेक्सास तक 80 मील प्रति घंटे (130 किमी प्रति घंटे) तक की हवाएं चलने की संभावना है, जो ठंडे उत्तरी क्षेत्रों में बर्फीले मौसम और गर्म, शुष्क क्षेत्रों में जंगल की आग के खतरे को बढ़ा सकती हैं। पूरे देश में 10 करोड़ लोगों पर इसका असर पड़ सकता है। ओक्लाहोमा में 130 से ज्यादा आग की घटनाएं दर्ज की गईं, जिस कारण कुछ इलाकों को खाली करने का आदेश दिया गया। ओक्लाहोमा में आग के कारण लगभग 300 घर क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए हैं। गवर्नर केविन स्टिट ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनके राज्य में अब तक लगभग 69 हेक्टेयर इलाका जल चुका है। स्टेट हाईवे पेट्रोल ने कहा कि हवाएं इतनी तेज थीं कि उन्होंने कई ट्रैक्टर-ट्रेलरों को पलट दिया। एक्सपर्ट्स का कहना है कि मार्च में ऐसे मौसम के चरम देखना असामान्य नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह तक सबसे ज्यादा मौतें मिसौरी में हुईं, जहां रातभर बवंडर ने कहर बरपाया और कम से कम 12 लोगों की जान ले ली। मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल ने यह भी बताया कि कई लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में एक व्यक्ति शामिल था, जिसका घर बवंडर से तबाह हो गया। बटलर काउंटी के कोरोनर जिम एकर्स ने कहा कि यह घर जैसा नहीं लग रहा था। बस मलबे का ढेर था। फर्श उल्टा था। एकर्स ने बताया कि बचावकर्मियों ने घर में एक महिला को बचा लिया। अर्कांसस के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इंडिपेंडेंस काउंटी में तीन लोगों की मौत हो गई। रातभर तूफान राज्य से गुजरा, जिससे आठ काउंटियों में 29 अन्य घायल हो गए। अर्कांसस की गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स ने एक्स पर कहा कि हमारी टीमें कल रात को बवंडर के कारण नुकसान का सर्वे कर रही हैं। हमारे आपदा कोष से ढाई लाख डॉलर जारी किए गए हैं, ताकि प्रभावित लोगों की मदद की जा सके। शुक्रवार को, अधिकारियों ने बताया कि टेक्सास पैनहैंडल के अमरिलो में धूल भरी आंधी के दौरान कार दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई।

जून में चालू होगा नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई: गौतम अदाणी

नईदिल्ली, एजेंसी। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने रविवार को कहा कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा इस साल जून में शुरू हो जाएगा। यह घोषणा उन्होंने हवाई अड्डे के निर्माण स्थल का दौरा करने के बाद सोशल मीडिया पर की। इस निर्माणाधीन हवाई अड्डे पर पहले नागरिक यात्री विमान की सफल परीक्षण लैंडिंग पिछले साल 29 दिसंबर को गई थी। घरेलू परिचालन मई के उत्तरार्ध से शुरू होगा और अंतरराष्ट्रीय परिचालन जुलाई के अंत से शुरू होने की उम्मीद है।

गौरतलब है कि 16,700 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा यह ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा मुंबई महानगर क्षेत्र में शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद दूसरी बड़ी एविएशन सुविधा होगी। इसे एनएमआईएएल (नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड) नामक विशेष प्रयोजन वाहन के तहत विकसित किया जा रहा है, जिसमें अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड 74 प्रतिशत और महाराष्ट्र सरकार की सीआईडीसीओ 26 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

पीएम मोदी ने 2018 में रखी थी आधारशिला- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फरवरी 2018 में इस परियोजना की आधारशिला रखी थी। अदाणी ने अपने पोस्ट में कहा, यह भारत की एविएशन भविष्य की झलक है। नवी मुंबई एयरपोर्ट दुनिया का एक शीर्ष हवाई अड्डा बनेगा, जो कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास को नई गति देगा। यह देश के लिए एक उपहार होगा। उन्होंने अपनी टीम और साझेदारों की सराहना भी की। इससे पहले अदाणी हवाईअड्डे के सीईओ अरुण बंसल ने बताया था कि 17 अप्रैल तक हवाई अड्डे का व्यावसायिक संचालन शुरू होगा। हालांकि, 29 दिसंबर 2024 को पहले ट्रायल लैंडिंग के बाद परियोजना प्रमुख संजय जलान ने नई समयसीमा साझा करते हुए कहा था कि मई के दूसरे हफ्ते से घरेलू उड़ानें और जुलाई के अंत तक अंतरराष्ट्रीय ऑपरेशन शुरू होंगे।

स्मार्टफोन निर्यात में उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। ताजा इंडस्ट्री आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-फरवरी) के दौरान भारत का स्मार्टफोन निर्यात 1.75 लाख करोड़ रुपए (21 अरब डॉलर) को पार कर गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि से 54 प्रतिशत अधिक है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि 2024-25 में स्मार्टफोन निर्यात 20 अरब डॉलर (1.68 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंचने की उम्मीद थी लेकिन इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, यह लक्ष्य पहले ही पार हो चुका है। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में स्मार्टफोन की प्रमुख भूमिका रही है, जिसमें सरकार की उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना का बड़ा योगदान रहा। इस योजना ने एप्पल और उसके सप्लायर्स समेत कई वैश्विक टेक कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित किया है। घरेलू उत्पादन अब भारत की मांग का 99 प्रतिशत पूरा कर रहा है, जिससे आयात में भारी गिरावट आई है। तमिलनाडु स्थित फॉक्सकॉन प्लांट के जरिए एप्पल की आईफोन सप्लाई चेन ने स्मार्टफोन निर्यात में 70 प्रतिशत योगदान दिया। अकेले फॉक्सकॉन ने विदेशी शिपमेंट में 50 प्रतिशत की हिस्सेदारी दर्ज की और इसके निर्यात में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई।

पुरानी व्यवस्था के तहत एक लाख का टैक्स बचाने का अंतिम मौका

आयकर रिटर्न भरते समय रखें ध्यान

नईदिल्ली, एजेंसी। जो लोग पुरानी कर व्यवस्था के तहत आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करना चाहते हैं, उन्हें इस महीने के इन आखिरी कुछ दिनों का पूरा फायदा उठाना चाहिए। अपनी कर बचत रणनीति के तरीकों में से एक आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80डी का उपयोग जरूरी है। इसके तहत आप अपने, अपने परिवार और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम का भुगतान करने पर एक लाख रुपये तक की पूरे वित्त वर्ष के दौरान कर कटौती का दावा कर सकते हैं।

आपने वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) में स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी खरीदी है या नवीनीकरण प्रीमियम का भुगतान किया है तो कर कटौती का दावा कर सकते हैं। पॉलिसी दस्तावेज को संभाल कर रखें और आईटीआर भरते समय इसकी भी जानकारी दें। ध्यान दें कि आपको पॉलिसी दस्तावेज अपलोड करने की जरूरत नहीं है। इनकम टैक्स रिटर्न भरने की अंतिम तारीख 31 जुलाई होती है लेकिन जुर्माने के साथ दिसंबर तक भर सकते हैं।

...तो 25,000 रुपये का दावा कर सकते हैं

आप 60 वर्ष से कम के हैं, तो 25,000 रुपये तक की आयकर कटौती का दावा कर सकते हैं। वरिष्ठ नागरिक 50,000 रुपये तक की कटौती का दावा कर सकते हैं। आप माता-पिता के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम का भुगतान करते हैं, तो उनकी आयु के आधार पर 60 वर्ष से कम होने पर 25,000 रुपये या फिर 60 साल से ज्यादा की उम्र पर 50,000 रुपये की अतिरिक्त कर कटौती का दावा कर सकते हैं। यानी कुल मिलाकर आप 75,000 रुपये तक की कटौती का दावा कर सकते हैं। स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी पॉलिसीधारक, उसके जीवनसाथी और उसके आश्रित बच्चों के कवरेज के लिए ली जा सकती है।

60 वर्ष से अधिक उम्र तो ज्यादा लाभ मिलेगा

माता-पिता के बीमा (प्रीमियम) के लिए अतिरिक्त कटौती 25,000 रुपये तक उपलब्ध है, यदि वे 60 वर्ष से कम आयु के हैं। यदि माता-पिता 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के हैं, तो कटौती राशि 50,000 रुपये तक हो सकती है। ऐसे मामले में जहां आप और आपके माता-पिता भी 60 वर्ष या उससे अधिक उम्र के हैं, तो धारा 80डी के तहत कर कटौती के रूप में एक लाख रुपये तक का दावा कर सकते हैं, यदि आप अपने और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम का भुगतान कर रहे हैं। निवारक स्वास्थ्य जांच के लिए 5,000 रुपये की कटौती की मंजूरी है। हालांकि, 5,000 रुपये की यह कटौती उम्र के आधार पर 25,000 रुपये या 50,000 रुपये की सीमा तक सीमित है।

गोल्ड लोन: अनिश्चितता व महंगाई के दौर में कर्ज का बेहतर विकल्प

नईदिल्ली, एजेंसी। वैश्विक आर्थिक अनिश्चतता, मंदी की आशंका और महंगाई के इस दौर में अगर आप भी गोल्ड लोन लेना चाहते हैं, तो सोने की कीमतों पर जरूर नजर रखें। ऐसे हालात में सोने में अक्सर तेजी देखी जाती है, जिससे आपको सोने के एवज में अधिक कर्ज मिलने की संभावना रहती है। वैश्विक अनिश्चितता के कारण मांग बढ़ने से अंतराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमत पहली बार 3,000 डॉलर के पार पहुंच गई है।

ना न सिर्फ निवेश के लिहाज से भारतीयों का पसंदीदा विकल्प है, बल्कि यह कठिन समय में वित्तीय सहायता भी मुहैया कराता है। आज भी लोग अन्य कर्ज विकल्पों की तुलना में गोल्ड लोन लेना पसंद करते हैं, क्योंकि यह पर्सनल लोन की तुलना में आसानी से मिल जाता है। यही वजह है कि 2024 में गोल्ड लोन में 56 फीसदी की जोरदार वृद्धि दर्ज की गई थी।

वैश्विक आर्थिक अनिश्चतता, मंदी की आशंका और महंगाई के इस दौर में अगर आप भी गोल्ड लोन लेना चाहते हैं, तो सोने की कीमतों पर जरूर नजर रखें। ऐसे हालात में सोने में अक्सर तेजी देखी जाती है, जिससे आपको सोने के एवज में अधिक कर्ज मिलने की संभावना रहती है। वैश्विक अनिश्चितता के कारण मांग बढ़ने से अंतराष्ट्रीय स्तर पर सोने की कीमत पहली बार 3,000 डॉलर के पार पहुंच गई है। घरेलू बाजार में भी यह रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है।

75 फीसदी तक मिल सकता है ऋण

आरबीआई के नियमों के मुताबिक, बैंक व गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां 75 फीसदी तक के एलटीवी के साथ गोल्ड लोन दे सकती हैं। यानी ग्राहक सोने के मूल्य का 75 फीसदी तक कर्ज ले सकते हैं।

उतार-चढ़ाव का कर्ज राशि पर असर

लोन का सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव से संबंध है। कीमतें जब बढ़ती हैं, तो सोने के एवज में अधिक कर्ज मिलता है। दाम घटने पर कर्ज कम हो जाता है। सोने की कीमतों में गिरावट मौजूदा गोल्ड लोन लेने वालों के लिए चुनौतियां पैदा कर सकती है, क्योंकि ऋणदाता उन्हें अधिक सोना गिरवी रखने या आंशिक पुनर्भुगतान करने को कह सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि सोने के दाम घटने पर लोन-टु-रेश्यो (एलटीवी) अनुपात बढ़ता है। एलटीवी मंजूर कर्ज व गिरवी सोने के बाजार मूल्य का अनुपात है।

ऐसे हालात में और चमकता है सोना

सोने को महंगाई के खिलाफ ढाल और आर्थिक-राजनीतिक अनिश्चितता के दौर में विश्वसनीय निवेश के रूप में देखा जाता है। महंगाई जब बढ़ती है या अर्थव्यवस्था में मंदी आती है, तो लोग सुरक्षा के लिए सोना खरीदते हैं, जिससे इसकी मांग व कीमत बढ़ जाती है। मांग अधिक है व आपूर्ति कम, तो सोने के दाम बढ़ते हैं। सोने की कीमत अमेरिकी डॉलर में होती है और इसका मूल्य मुद्रा के साथ चलता है। कमजोर डॉलर अंतराष्ट्रीय खरीदारों के लिए सोने को सस्ता बनाता है, जिससे मांग के साथ भाव भी बढ़ते हैं।

भारत को एफटीए के तहत ईयू से चिकित्सा उपकरणों पर करनी चाहिए विशेष छूट की मांग, वैश्विक थिंक टैंक का सुझाव

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत यूरोपीय संघ (ईयू) से चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में कुछ विशेष छूट की मांग करनी चाहिए। इससे भारत अपने निर्यात को बढ़ावा दे सकेगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने रविवार को यह सुझाव दिया।

भारत अधिकांश चिकित्सा उपकरणों पर 0 से 10 फीसदी तक टैरिफ लगाता है। अगर भारत बिना यूरोपीय संघ के नियामक चुनौतियों को हल किए चिकित्सा उपकरणों पर टैरिफ कम करता है, तो इससे यूरोपीय संघ से आयात बढ़ सकता है, लेकिन निर्यात कम हो सकता है। जीटीआरआई ने कहा, एक समान और निष्पक्ष व्यापार सौदा करने के लिए भारत को बदले में कुछ छूट की मांग करनी चाहिए। भारत को चिकित्सा उपकरणों पर टैरिफ तभी कम करना चाहिए, जब यूरोपीय संघ अपने गैरजरूरी टैरिफ के अवरोधों को हटाए।

चिकित्सा उपकरणों के लिए भारत-यूरोपीय संघ वार्ता असमान है। यूरोपीय संघ जहां चिकित्सा उपकरणों पर भारत से शून्य टैरिफ की मांग करता है, वहीं दूसरी तरफ वह उच्च नियामक अवरोध बनाए रखता है, जो भारत के निर्यात को यूरोपीय संघ के

बाजारों के लिए कठिन बना देता है।

चिकित्सा उपकरणों के लिए भारत-ईयू एफटीए वार्ता असमान है। जहां एक तरफ यूरोपीय संघ भारत से चिकित्सा उपकरणों पर शून्य शुल्क की मांग करता है, वहीं दूसरी तरफ भारतीय उत्पादों को अपने बाजार में बेचने में मुश्किलें पैदा करता है। इससे भारत को यूरोपीय संघ के बाजार में अपने निर्यात को बढ़ाने में दिक्कत होती है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि यूरोपीय संघ के सीमा शुल्क की दरें शून्य हैं, लेकिन इसके बावजूद बाजार में प्रवेश की लागत बहुत अधिक है, क्योंकि वहां के नियामक ढांचे में कड़ी शर्तें हैं। उन्होंने कहा, यूरोपी संघ में निर्यात करना अब और कठिन हो गया है, क्योंकि उसने मेडिसिन डिवाइस डिरेक्टिव्स (ईयू-एमडीडी) को बदलकर मेडिकल डिवाइस रूल्स (ईयू-एमडीआर) लागू किया है। ये नियम ज्यादा सख्त हैं।

प्रमोटर के ऐलान के बाद स्पाइसजेट के शेयर भरने लगे उड़ान

नईदिल्ली, एजेंसी। स्पाइसजेट के शेयर आज उड़ान भर रहे हैं। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में आज सुबह के कारोबार में 6 प्रतिशत के आसपास बढ़ गई। यह उछाल तब आया जब एयरलाइन ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में घोषणा की कि एक प्रमोटर ग्रुप ने वारंट्स को शेयरों में कन्वर्ट दिया है। इस कदम से स्पाइसजेट में प्रमोटर की हिस्सेदारी बढ़कर लगभग 33.5 प्रतिशत हो जाएगी। आज स्पाइसजेट के शेयर 45.20 रुपये पर खुले और 44.15 रुपये तक आने के बाद 48.60 रुपये पर पहुंच गए।

सुबह साढ़े दस बजे के करीब ये 5.10 पर्सेंट ऊपर 47.80 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे।

स्पाइसजेट शेयर प्राइस ट्रेंड- अगर आज शेयर की कीमत बढ़त के साथ बंद होती है, तो यह पिछले सात लगातार सेशन में हुई गिरावट पर ब्रेक लगा देगा। इन सात सेशन में शेयर ने अपनी बाजार कीमत में 10 प्रतिशत की गिरावट देखी थी। स्पाइसजेट का शेयर पिछले साल 16 सितंबर को 52 हफ्ते के उच्च स्तर 79.90 पर पहुंचा था, जबकि इस साल 18 फरवरी को यह 52 हफ्ते के निचले स्तर 39.91 पर गिर गया था।

प्रमोटर की हिस्सेदारी बढ़ी- स्पाइसजेट ने 17 मार्च को घोषणा की कि उसके संस्थापक और प्रमोटर, अजय सिंह, ने एक प्रमोटर ग्रुप कंपनी स्पाइस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के जरिए 13,14,08,514 वारंट्स को शेयरों में बदलकर कंपनी में 294.09 करोड़ का निवेश किया है। इस कदम से स्पाइसजेट में प्रमोटर ग्रुप की शेयर होल्डिंग वर्तमान 29.11 प्रतिशत से बढ़कर 33.47 प्रतिशत हो जाएगी।

13,14,08,514 वारंट्स हुए शेयरों में कन्वर्ट

कंपनी ने 17 मार्च को बाजार के समय एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, स्पाइस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, एक प्रमोटर ग्रुप कंपनी ने 13,14,08,514 वारंट्स को शेयरों में कन्वर्ट कर दिया है। इसके अलावा, स्पाइसजेट के प्रमोटर अजय सिंह ने 13 मार्च को कंपनी के 1,15,38,462 शेयर (कंपनी में 0.89 प्रतिशत हिस्सेदारी) ब्लॉक डील के जरिए बेचे थे।

स्पाइसजेट के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अजय सिंह ने इन शेयरों को बेचकर जो राशि प्राप्त की है, उसका उपयोग स्पाइस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड को शेयर आवंटन के लिए शेष 75 प्रतिशत राशि का भुगतान करने में मदद करने के लिए किया जाएगा। इन ट्रांजैक्शन के पूरा होने के बाद, प्रमोटर ग्रुप की कंपनी में हिस्सेदारी वर्तमान 29.11 प्रतिशत से बढ़कर 33.47 प्रतिशत हो जाएगी।

आरबीआई के आश्वासन के बाद इंडसइंड बैंक के शेयरों पर बढ़ा निवेशकों का भरोसा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शनिवार को ग्राहकों को आश्वस्त किया कि इंडसइंड बैंक के पास पर्याप्त पूंजी है। सेंट्रल बैंक ने बैंक के निदेशक मंडल को निर्देश दिया कि वह अनुमानित 2,100 करोड़ रुपये की लेखा विसंगति से संबंधित सुधारात्मक कार्रवाई इसी महीने पूरी कर ले। इस जानकारी के बाहर आने के बाद इंडसइंड बैंक के शेयरों की कीमतों में 5 प्रतिशत से अधिक की तेजी सोमवार को दर्ज की गई है।

बीएसई में इस प्राइवेट के शेयरों का भाव 704.80 रुपये के लेवल पर खुला था। कुछ देर के बाद कंपनी के शेयरों का भाव 707.75 रुपये के लेवल तक पहुंच गया। हालांकि, सुबह 10.25 मिनट पर कंपनी के शेयर 700 रुपये के नीचे ट्रेड कर रहे थे।

काउंटिंग में सामने आई थी गड़बड़ियां- इंडसइंड बैंक ने इसी वीकली काउंटिंग में गड़बड़ी का खुलासा किया था। इस खुलासे के तुरंत बाद, बैंक के शेयरों की कीमत में भारी गिरावट देखी गई थी। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध खुलासों के आधार पर बैंक ने पहले ही अपने मौजूदा मैकेनिज्म की व्यापक समीक्षा करने और वास्तविक प्रभाव का आकलन करने और उसका हिसाब लगाने के लिए एक बाहरी आडिट टीम को नियुक्त कर लिया है। सेंट्रल बैंक ने कहा, बोर्ड और प्रबंधन को रिजर्व बैंक द्वारा निर्देश दिया गया है कि वे सभी हितधारकों को आवश्यक खुलासे करने के बाद, जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान पूरी तरह से सुधारात्मक कार्रवाई पूरी कर लें।

आरबीआई की है बैंक पर नजर- ग्राहकों की चिंताओं को दूर करते हुए आरबीआई ने कहा कि जमाकर्ताओं को इस समय अटकलों पर प्रतिक्रिया देने की कोई आवश्यकता नहीं है। आरबीआई ने कहा कि इंडसइंड बैंक लिमिटेड से संबंधित कुछ अटकलें लगाई गई हैं, जो शायद बैंक से संबंधित हाल की घटनाओं से उत्पन्न हुई हैं। केंद्रीय बैंक ने ग्राहकों और निवेशकों को आश्वासन दिया कि बैंक की वित्तीय स्थिति स्थिर बनी हुई है और वह इस पर बारीकी से नजर रख रहा है।

बैंक ने क्या बताया है- इंडसइंड बैंक ने बताया कि पिछले साल सितंबर-अक्टूबर के आसपास अकाउंटिंग में चूक की बात सामने आई थी और बैंक ने पिछले हफ्ते आरबीआई को इस बारे में प्रारंभिक जानकारी दी थी। बैंक के अनुसार, अंतिम संख्या तब पता चलेगी जब बैंक द्वारा नियुक्त बाहरी एजेंसी अप्रैल की शुरुआत में अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप दे देगी।

बैंक के वित्तीय मापदंडों को साझा करते हुए आरबीआई ने कहा कि बैंक अच्छी तरह से पूंजीकृत है और वित्तीय स्थिति संतोषजनक बनी हुई है। दिसंबर, 2024 तिमाही के लिए बैंक के आडिट द्वारा समीक्षा किए गए वित्तीय परिणामों के अनुसार, बैंक ने 16.46 प्रतिशत का आरामदायक पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीएआर) और 70.20 प्रतिशत का प्रावधान कवरेज अनुपात बनाए रखा है।

4 कंपनियां देने जा रही हैं डिविडेंड, रिकॉर्ड डेट का भी हो गया है ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। पिछले दिनों कई कंपनियों ने अपने निवेशकों के लिए डिविडेंड का ऐलान किया है। तो वहीं कुछ कंपनियों ने पहले से तय डिविडेंड के लिए रिकॉर्ड डेट घोषित किया है। आइए एक-एक करके जानते हैं इनके विषय में -

एक्सटेल इंडस्ट्रीज लिमिटेड- कंपनी ने निवेशकों के लिए डिविडेंड का ऐलान किया है। इस बार योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 6 रुपये का डिविडेंड मिलेगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 20 मार्च की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। जोकि इसी हफ्ते है। बता दें, पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 17 प्रतिशत टूटा है।

गैलेक्सी सर्फेक्टेंट्स लिमिटेड- कंपनी एक शेयर पर 18 रुपये का डिविडेंड दे रही है। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 20 मार्च की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। पिछले एक साल में कंपनी के शेयरों का भाव 11 प्रतिशत से अधिक टूटा है।

मिश्रा धातु निगम लिमिटिड- कंपनी ने अभी डिविडेंड का ऐलान नहीं किया है। लेकिन डिविडेंड तय करने के लिए कंपनी की बोर्ड मीटिंग 20 मार्च की तारीख तय की गई है। इसी दिन बोर्ड डिविडेंड देने पर फैसला करेगा। बोर्ड की सहमति मिलती है तो डिविडेंड के लिए 25 मार्च की तारीख रिकॉर्ड डेट रहेगा। बता दें, मिश्रा धातु निगम लिमिटिड के शेयरों की कीमतों में पिछले एक साल के दौरान 23 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखने को मिली है।

रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड- यह रेलवे स्टॉक दूसरा अंतरिम डिविडेंड देने जा रहा है। कंपनी की तरफ से योग्य निवेशकों को एक शेयर पर 1 रुपये का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए कंपनी ने 2 अप्रैल की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। बता दें, कंपनी के शेयरों की कीमतों में पिछले एक साल में 8 प्रतिशत की गिरावट आई है।

मांडविया ने नया एंथम और रक्षा खडसे ने मैस्कॉट का किया अनावरण

डॉ. मनसुख मंडाविया ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर में खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 का एंथम लॉन्च किया

खेलो इंडिया पैरा गेम्स

- **डॉ. मंडाविया ने आगे कहा, "केआईपीजी में 1300 से ज़्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे, यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं**

नई दिल्ली, एजेंसी। युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर में खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 का एंथम लॉन्च किया। पैरा गेम्स का दूसरा संस्करण 20-27 मार्च तक राजधानी के तीन स्थानों पर आयोजित किया जाएगा।

फिट इंडिया कार्निवल के मौके पर लॉन्च किए गए खेलो इंडिया पैरा गेम्स मैस्कॉट 'उज्ज्वला' को खेल और युवा मामलों की राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने जारी किया। 'उज्ज्वला' का डिज़ाइन दिल्ली की गौरैया से प्रेरित है, जो शहर के गौरव और जुझारूपन का प्रतीक है। विलुप्त होने के कगार पर पहुँच चुके पक्षी की तरह, 'उज्ज्वला' पैरा एथलीटों का प्रतीक है, जो लचीलापन और दृढ़ता का प्रतीक भी हैं। भारतीय पैरालंपिक समिति और पूर्व पैरालिंपियन देवेंद्र झाझरिया और खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 के एक्सेसिबिलिटी पार्टनर-स्वयं की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती स्मिनू जिंदल ने संयुक्त रूप से बहुत धूमधाम से खेलों का लोगो लॉन्च किया।

इस अवसर पर डॉ. मंडाविया ने कहा, "यह एक बहुत ही खास दिन है। हम पहले फिट इंडिया कार्निवल के समापन पर आए हैं, जिसमें 25,000 लोगों ने भाग लिया था और अब हम खेलो इंडिया पैरा गेम्स शुरू कर रहे हैं। अब हमारे पास भारत के खेल पारिस्थितिकी तंत्र में निरंतरता है। यह वास्तव में सभी खिलाड़ियों के लिए बहुत प्रेरणादायक है।" डॉ. मंडाविया ने आगे कहा, "केआईपीजी में 1300 से ज़्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए सही रास्ता प्रदान करने के लिए खेलों का आयोजन किया गया है। खेलों में कोई हारता नहीं है। कोई जीतता है और कोई सीखता है। यही खेलों की खूबसूरती है।"

खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 के लोगो में नारंगी, हरे और नीले रंग में एक स्टाइलिश एथलीट है, जो गतिशीलता, आंदोलन और समावेशिता का प्रतिनिधित्व करता है। साथ ही आगे की ओर गति प्रगति को दर्शाती है। लोगो में बोल्ड ब्लू/व्हाइट 'खेलो इंडिया' और 'पैरा गेम्स 2025' ताकत का संदेश देता है, जिसे नारंगी हाइलाइट्स द्वारा पूरक बनाया गया है।

नीचे के ग्राफ़िक में दिल्ली के प्रतिष्ठित स्थल – नया संसद भवन, भारत मंडपम, दिल्ली मेट्रो – शहर की जीवन रेखा, और पवित्र नदी यमुना – पैरा-एथलीटों के साथ-साथ एक्शन में दिखाए गए हैं। द्विभाषी टैगलाइन 'चैंपियंस बियॉन्ड लिमिट्स'। 'हौंसलों की उड़ान' पैरा-एथलीटों की दृढ़ता को शक्तिशाली रूप से दर्शाती है जो सीमाओं से परे जाते हैं। इस अवसर पर एंथम का भी अनावरण किया गया। "खेलेगा खेलेगा मेरा इंडिया, जीतेगा जीतेगा मेरा इंडिया" शब्दों पर आधारित इस एंथम का उद्देश्य मैदान पर मौजूद एथलीटों के साथ-साथ स्टैंड में बैठे प्रशंसकों को एक प्रेरक संदेश के साथ प्रेरित करना है।

खेलों इंडिया पारा गेम्स 2025 का आयोजन 20 मार्च से 27 मार्च के बीच होगा और इसमें छह पैरा खेलों -: पैरा-तीरंदाजी, पैरा-एथलेटिक्स, पैरा बैडमिंटन, पैरा पावरलिफ्टिंग, पैरा शूटिंग और पैरा टेबल टेनिस में प्रतियोगिताएँ होंगी। इनका आयोजन तीन स्थानों – जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, इंदिरा गांधी स्टेडियम और डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज – नई दिल्ली मे होगा। 1300 से अधिक प्रतिभागियों में स्वर्ण पदक विजेता तीरंदाज हरविंदर सिंह, क्लब थ्रोअर धरमबीर और हाई जंपर प्रवीण कुमार जैसे कई चैंपियन पैरा-एथलीट शामिल हैं। खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 इस साल भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित दूसरा राष्ट्रीय खेल आयोजन है, जो पिछले सप्ताह जम्मू और कश्मीर के गुलमर्ग में संपन्न हुए खेलो इंडिया विंटर गेम्स के बाद आयोजित होने जा रहा है।

शुरुआती मैचों में बुमराह का ना होना टीम के लिए चुनौती : जयवर्धने

मुंबई, एजेंसी। मुंबई इंडियंस (एमआई) के प्रमुख कोच महेला जयवर्धने का मानना है कि आईपीएल 2025 के शुरुआती चरण में जसप्रीत बुमराह का उपलब्ध ना होना टीम के लिए एक चुनौती है और उन्हें उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम से जुड़ जाएंगे।

जयवर्धने ने कहा, "जसप्रीत फिलहाल एनसीए बेंगलुरु में हैं और चोट से उबर रहे हैं। अब हमें उनके फीडबैक का इंतजार करना होगा। फिलहाल सब कुछ अच्छा चल रहा है और वह अच्छी भावना में हैं। उनका ना होना एक चुनौती हैं। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज हैं और हमारे लिए पिछले कई सालों से शानदार प्रदर्शन किया है। हालांकि यह किसी और के लिए एक मौका भी है, हम इसे ऐसे ही देख रहे हैं।

बुमराह फिलहाल पीठ की चोट से उबर रहे हैं और जनवरी से ऐक्शन से बाहर हैं। उन्हें यह चोट ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आखिरी टेस्ट के दौरान लगी थी। इसके कारण वह चैंपियंस ट्रॉफी का हिस्सा भी नहीं बन पाए थे।

चैंपियंस ट्रॉफी टीम की घोषणा करते हुए तब भारतीय टीम के प्रमुख चयनकर्ता अजीत आगरकर ने कहा था कि बुमराह को कम से कम पांच सप्ताह का समय लग सकता है। वह शुरुआती चैंपियंस ट्रॉफी टीम में थे, लेकिन बाद में उन्हें बाहर होना पड़ा। मुंबई का पहला मैच 23 मार्च को चेन्नई के खिलाफ है, जबकि उनका पहला घरेलू मैच कोलकाता के खिलाफ 31 मार्च को है।

संक्षिप्त

इतालवी फुटबॉलर एंटोनियो कंद्रेवा ने लिया संन्यास

रोम, एजेंसी। इटली के फुटबॉल खिलाड़ी एंटोनियो कंद्रेवा ने 38 वर्ष की उम्र में मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए संन्यास की घोषणा की, जिससे उनका करीब 20 साल का करियर समाप्त हो गया। रोम में जन्मे कंद्रेवा मुख्य रूप से दाएं विंगर के रूप में खेलते थे और उन्होंने जुवेंटस, लाजियो, इंटर मिलान सहित कई अन्य क्लबों के लिए खेलते हुए 500 से अधिक सेरी ए मैचों में हिस्सा लिया। हालांकि, वह अपने करियर में केवल एक प्रमुख ट्रॉफी जीत सके, जब उन्होंने 2012-13 सीजन में लाजियो के साथ कोपा इटालिया का खिताब अपने नाम किया। कंद्रेवा पिछले सीजन में सालेर्निताना के साथ अपने अनुबंध की समाप्ति के बाद से फ्री एजेंट थे और पिछले महीने उन्होंने अपना 38वां जन्मदिन मनाया था। इस अनुभवी खिलाड़ी ने 2009 में इटली की राष्ट्रीय टीम के लिए डेब्यू किया था और अपने करियर में कुल 54 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें उन्होंने 7 गोल किए।

कबड्डी विश्व कप: भारत ने इटली को 64-22 से हराया

बर्मिंघम 18 मार्च (वार्ता) गत चैंपियन भारतीय पुरुष टीम ने कबड्डी विश्वकप 2025 में इटली को हराकर अपनी जीत के साथ अभियान की शुरुआत की। वॉल्वरहैम्प्टन में सोमवार को एकतरफा मुकाबले में भारत ने ग्रुप बी के मैच में इटली को 64-22 से करारी मात दी। इस जीत के साथ भारत दो अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है। ग्रुप बी के दूसरे मुकाबले में स्कॉटलैंड ने वेल्स को 63-43 से हराया और ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। भारतीय टीम अगले मैच में स्कॉटलैंड से भिड़ेगी। भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमें इंग्लैंड में शुरू हुए कबड्डी विश्व कप 2025 में अपने खिताब को बरकरार रखना चाहेंगी। ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार यह टूर्नामेंट ब्रिटेन में वेस्ट मिडलैंड्स के चार शहरों बर्मिंघम, कोवेंट्री, वॉल्सॉल और वॉल्वरहैम्प्टन में आयोजित किये जाएंगे।

उरुग्वे के कोच बिएल्सा ने वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स के लिए छह नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया

मोंटेवीडियो, एजेंसी। उरुग्वे के मैनेजर मार्सेलो बिएल्सा ने अर्जेंटीना और बोलिविया के खिलाफ होने वाले फीफा वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अपनी टीम में छह नए खिलाड़ियों को शामिल किया है।

बिएल्सा द्वारा चुने गए नए खिलाड़ी लोकल क्लबों से हैं, जिनमें फॉरवर्ड पाब्लो सुआरेज, मिडफील्डर जर्मन बारबास, मिडफील्डर एरिको कुएलो, डिफेंडर पैट्रिसियो पैसिफिको, सेंटर-बैक पाओलो कैलियोन और विंगर लुकास अगाज़ी का नाम शामिल है। उम्मीद के मुताबिक, लिवरपूल के फॉरवर्ड डार्विन नुनेज, रियल मैड्रिड के मिडफील्डर फेडेरिको वाल्वेर्दे, टॉटनहैम के मिडफील्डर रोड्रिगो बेंटानकुर और बार्सिलोना के डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो को भी टीम में जगह दी गई है। उरुग्वे की टीम शुक्रवार को मोंटेवीडियो में अर्जेंटीना से भिड़ेगी, जबकि अगले मंगलवार को एल आल्टो में बोलिविया के खिलाफ खेलेगी। दस टीमों की दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप तालिका में उरुग्वे 12 मैचों में 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि अर्जेंटीना 25 अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई है।

सुकांत कदम स्पेनिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में शानदार प्रदर्शन के बाद बने वर्ल्ड नंबर 2

कुआलालंपुर, एजेंसी। भारत के स्टार पैरा शटलर सुकांत कदम हाल ही में संपन्न स्पेनिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 में प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद बीडब्ल्यूएफ पैरा बैडमिंटन विश्व रैंकिंग में एसएल4 श्रेणी में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। सुकांत अब 53,650 अंकों के साथ इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान (56,680 अंक) से पीछे हैं, जबकि फ्रांस के लुकास माजुर 48,400 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। रैंकिंग में हालिया उछाल स्पेन में ग्रेड 2 के दो और ग्रेड 1 के एक टूर्नामेंट में मजबूत प्रदर्शन के बाद आया है। सुकांत ने ग्रेड 2 इवेंट के दौरान एसएल4 श्रेणी में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 21-13, 21-10 के स्कोरलाइन के साथ फाइनल में साथी भारतीय तरुण को हराया।

उन्होंने जीत के बाद कहा था, "मैं 2025 की शुरुआत स्वर्ण पदक के साथ करके खुश हूं। यहां हर मैच एक सीखने वाला अनुभव था, और मुझे खुशी है कि मैं लगातार अच्छा प्रदर्शन कर सका। यह जीत मुझे बाकी सीजन के लिए बहुत प्रेरणा देगी।" ग्रेड 1 टूर्नामेंट में उन्होंने अच्छा खेल दिखाया, लेकिन कड़े मुकाबले में हमवतन नवीन शिवकुंअर से 14-21, 21-14, 14-21 से हारकर शीर्ष स्थान से चूक गए। अपनी उपलब्धि पर बात करते हुए, सुकांत ने कहा, "यह 2025 के लिए एक शानदार शुरुआत है, और मैं जिस तरह से खेल रहा हूं, उससे खुश हूं। दुनिया में दूसरे स्थान पर पहुंचना एक गौरवपूर्ण क्षण है, लेकिन अब मेरा ध्यान इस मोमेंटम को बनाए रखने पर है। अगले साल एशियाई पैरा गेम्स और विश्व चैंपियनशिप सहित प्रमुख हैं और मेरा लक्ष्य निरंतरता बनाए रखना और सुधार करना है।" सुकांत का उदय न केवल व्यक्तिगत उत्कृष्टता को दर्शाता है, बल्कि वैश्विक मंच पर पैरा बैडमिंटन में भारत के बढ़ते प्रभुत्व को भी दर्शाता है। आगे व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर के साथ, सभी की निगाहें उन पर होंगी।

आयुष शेट्टी, शंकर मुथुस्वामी स्विस ओपन के मुख्य ड्रॉ में पहुंचे

बासेल, एजेंसी। भारत के आयुष शेट्टी और एस शंकर मुथुस्वामी सुब्रमण्यम ने मंगलवार को क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह पक्की कर ली।

शेट्टी ने इंग्लैंड के चोलन कायन को 42 मिनट में 21-12, 21-15 से हराकर मुख्य दौर में प्रवेश किया। 19 वर्षीय शेट्टी बुधवार को अपने पहले मैच में जापान के केंटा निशिमोटो से भिड़ेंगे। दूसरी ओर, मुथुस्वामी ने दो राउंड में संघर्ष किया, पहले उन्होंने चीन के यूहैंग वांग को 21-13, 21-4 से मात्र 23 मिनट में हराया, फिर अंतिम क्वालीफाइंग दौर में हमवतन थारुन मन्नेपल्ली को 21-7, 21-10 से हराया। वह अपने पहले दौर के मैच में डेनमार्क के मैग्नस जोहानसन से भिड़ेंगे।

पुरुष एकल मुख्य ड्रॉ में छह भारतीय खिलाड़ी शामिल होंगे, जिनमें चार सीधे प्रवेश वाले खिलाड़ी शामिल हैं: किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय, जो पहले दौर में एक-दूसरे का सामना करेंगे, तथा प्रियांशु राजावत और किरण जॉर्ज। जॉर्ज डेनमार्क के रासमस गेम्के से खेलेंगे, जबकि राजावत स्थानीय खिलाड़ी टोबियास कुएंजी से मुकाबला करेंगे।

इससे पहले, भारत के शीर्ष रैंक वाले पुरुष एकल शटलर लक्ष्य सेन ने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था। पुरुष एकल प्रतियोगिता से नाम वापस लेने वाले अन्य उल्लेखनीय खिलाड़ियों में ली जी जिया, शि यू क्यू और ली चेउक यियू शामिल हैं।

सूर्यकुमार सीएसके के खिलाफ पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे : हार्दिक

आईपीएल

- **हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस के सीजन के पहले मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे, क्योंकि उन पर एक मैच का प्रतिबंध लगा हुआ है।**

मुंबई, एजेंसी। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2025 के अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे, नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या ने इसकी पुष्टि की है। पांड्या मुंबई इंडियंस के सीजन के पहले मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे, क्योंकि उन पर एक मैच का प्रतिबंध लगा हुआ है। टीम ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ आईपीएल 2024 के अंतिम लीग मैच में धीमा ओवर-रेट दर्ज किया था, जो सीजन का उनका तीसरा अपराध भी था।

सूर्यकुमार ने 2023 में एक आईपीएल मैच में मुंबई की कप्तानी की थी। पांड्या ने प्री-सीजन प्रेस कॉन्फ्रेंस, जिसमें वे बुधवार को मुख्य कोच माहेला जयवर्धने के साथ शामिल हुए थे, में कहा,"सूर्यकुमार यादव भारत की भी कप्तानी करते हैं। वे आईपीएल 2025 के पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे। मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे साथ तीन कप्तान खेल रहे हैं – रोहित, सूर्य और बुमराह। वे हमेशा मेरे कंधे पर हाथ रखते हैं और जब भी मुझे किसी मदद की जरूरत होती है, तो वे हमेशा मौजूद रहते हैं।

मुंबई-चेन्नई मुकाबले के बारे में बात करते हुए जयवर्धने ने कहा, "यह दोनों टीमों के लिए एक चुनौती है। मैंने हमेशा इस मुकाबले का लुत्फ उठाया है, और इसके लिए उत्साहित हूं। टीम के लिए थोड़ा और उत्साह भी है।

मुंबई अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना खेल रही है, जो मार्च में सिडनी टेस्ट के दौरान लगी पीठ की चोट से उबर रहे हैं। जयवर्धने ने कहा कि बुमराह अभी भी बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब से गुजर रहे हैं। "वह अभी भी एनसीए में है और दिन-प्रतिदिन उसकी निगरानी की जा रही है। वह ठीक हो रहा है और अच्छे मूड में है; उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम से जुड़ जाएगा।

पिछले साल मुंबई अंक तालिका में सबसे नीचे रहा और पांड्या ने कहा कि टीम आईपीएल 2025 में हर पहलू में अपना प्रदर्शन सही करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। "बस अच्छा क्रिकेट खेलें। एक ही समय में एक-दूसरे के साथ रहें। प्रक्रियाओं को सही तरीके से करें। आगे बढ़ें और अमल करें। इस समूह के साथ, प्रतिभा को देखते हुए, हम मैचों का आनंद लेने के लिए आगे बढ़ेंगे।

पांड्या ने कहा, "यह साल एक नया साल है। बहुत सी चीजें बदल गई हैं; बहुत सारा प्यार और खुशी जुड़ गई है। हमेशा जुनून और नई चुनौतियां होंगी जो मुझे पसंद हैं। मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा टीम की मदद करना है ताकि टीम में मूल्य जोड़ा जा सके।

पांड्या और जयवर्धने दोनों ने अंत में कहा कि दीपक चाहर और ट्रेंट बोल्ट को टीम में शामिल करना पांच बार के चैंपियन के लिए बेहद महत्वपूर्ण था।

अदाणी, पीजीटीआई आमंत्रण गोल्फ चैंपियनशिप शुरू करेंगे

अहमदाबाद, एजेंसी। अदाणी समूह भारत में पुरुषों के पेशेवर गोल्फ की आधिकारिक मंजूरी देने वाली संस्था प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के साथ साझेदारी में 'अदाणी आमंत्रण गोल्फ चैंपियनशिप 2025' के शुभारंभ के साथ भारतीय पेशेवर गोल्फ में प्रवेश करने के लिए तैयार है।

1.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाला यह पहला टूर्नामेंट ग्रेटर नोएडा के जेपी ग्रीन्स गोल्फ एंड स्पा रिसॉर्ट में 1-4 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा, जो पीजीटीआई की 11 साल बाद इस आयोजन स्थल पर वापसी का प्रतीक है।

अदाणी समूह की इस पहल का उद्देश्य गोल्फ की पहुंच को बढ़ावा देना और व्यापक बनाना तथा इसे मुख्यधारा के खेल के रूप में स्थापित करना है, साथ ही भारत से वैश्विक चैंपियनों की अगली पीढ़ी को तैयार करना है।

यह साझेदारी अहमदाबाद के बेल्वेडियर गोल्फ एंड कंट्री क्लब में अदाणी-पीजीटीआई संयुक्त गोल्फ प्रशिक्षण अकादमी की स्थापना तक विस्तारित है। यह पहल जमीनी स्तर पर विकास के लिए अदाणी की प्रतिबद्धता के अनुरूप है और भारत की 2036 ओलंपिक बोली का समर्थन करती है।

अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के निदेशक प्रणव अदाणी ने कहा, "हमें कपिल देव जी और प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के साथ हाथ मिलाकर भारतीय पेशेवर गोल्फ के विकास में योगदान देने की खुशी है।" उन्होंने कहा, "हमारा लक्ष्य गोल्फ में भारतीय वैश्विक चैंपियन तैयार करना है। हम गोल्फ तक पहुंच बढ़ाने, अधिक भागीदारी को बढ़ावा देने और विश्व स्तरीय प्रशिक्षण और खेलने के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पीजीटीआई के अध्यक्ष कपिल देव ने अदाणी आमंत्रण गोल्फ चैंपियनशिप 2025 के शुभारंभ के साथ भारत में पेशेवर गोल्फ को समर्थन देने के लिए अदाणी समूह को धन्यवाद दिया।

जोश और जुनून के साथ सकारात्मक अंदाज में उतरेगी एलएसजी: खान

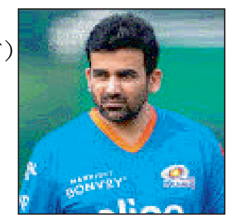

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व गेंदबाज और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मेंटर जहीर खान ने कहा कि जोशीले कप्तान रिषभ पंत की अगुवाई में उनकी टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के नये सत्र में जुनून और सकारात्मक खेल भावना के साथ मैदान पर उतरेगी। जहीर ने बुधवार को यहां एक होटल में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा " एलएसजी नये कप्तान के साथ आईपीएल सत्र का आगाज करने जा रही है। रिषभ पंत जोशीले और उत्साही खिलाड़ी हैं जिनके नेतृत्व में एलएसजी निसंदेह सकारात्मक भाव के साथ मैदान पर उतरेगी। रिषभ जोश के साथ सटीक निर्णय लेने के लिये भी जाने जाते हैं। टीम का हर खिलाड़ी जोश और जुनून के साथ मैदान पर अपना 100 प्रतिशत देने को तैयार है और यही भावना टीम को नयी ऊंचाई पर ले जायेगी। चोटिल खिलाड़ी विशेषकर तेज गेंदबाजों की इस समस्या को लेकर जहीर ने कहा " हमने जब टीम का चयन किया तो हर पहलू को ध्यान में रखा। चोट लगना खेल का एक हिस्सा है और चोटिल खिलाड़ी के बदले हमे रिप्लेसमेंट के लिये तैयार रहना होगा। टीम की रणनीति और संयोजन को लेकर पूछे गये सवाल पर उन्होने कहा कि पहला मैच शुरु होने से पहले मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखकर फैसला लेना उचित होगा।

कबड्डी विश्वकप को आईकेएफ ने नहीं किया अधिकृत

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ (आईकेएफ) ने कहा है कि विश्व कबड्डी महासंघ के तत्वावधान में ब्रिटेन में चल रहे कबड्डी विश्वकप 2025 को हमने अधिकृत नहीं किया है। आईकेएफ ने आज यहां जारी एक बयान में कहा कि कबड्डी के लिए प्रत्येक राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) (जिसका अपने संबंधित देश के राष्ट्रीय ओलंपिक महासंघ से संबंध या जुड़ाव है), वह आईकेएफ और एकेएफ का सदस्य-संबद्ध है। अपने-अपने देशों में ओलंपिक सिस्टम की औपचारिक मान्यता वाले ये अधिकृत एनएसएफ ब्रिटेन में चल रहे तथाकथित कबड्डी विश्वकप 2025 में भाग नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कबड्डी महासंघ, एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) और एशियाई कबड्डी महासंघ (एकेएफ) द्वारा मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय शासी निकाय है। आईकेएफ 1990 से एशियाई खेलों में पुरुषों और महिलाओं के लिए कबड्डी की पदक स्पर्धा और अन्य अंतरराष्ट्रीय कबड्डी टूर्नामेंटों के संचालन की देखरेख और पर्यवेक्षण करता रहा हैं। ओसीए, आईकेएफ, एकेएफ और एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) का विश्व कबड्डी महासंघ या इसकी किसी भी गतिविधि से कोई लेन-देन या जुड़ाव नहीं है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार, एशियाई खेलों में कबड्डी पदक प्रतिस्प्रर्धा वाला कोई भी राष्ट्रीय कबड्डी महासंघ इस आयोजन में भाग नहीं ले रहा है। ब्रिटेन में चल रहे कबड्डी विश्व कप में ऐसे देशों का कथित तौर से प्रतिनिधित्व करने वाली टीमों के पास कबड्डी के लिए संबंधित एनएसएफ से कोई मंजूरी नहीं है।

घोषणा — **वारविकशायर अकादमी के लीड कोच बने जॉश कॉब**

जॉश कॉब ने पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लिया

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के अनुभवी क्रिकेटर जॉश कॉब ने मंगलवार को पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। वह अब वारविकशायर के बॉयज़ अकादमी लीड के रूप में अपनी नई भूमिका निभाएंगे।

34 वर्षीय कॉब ने 2007 में लीसेस्टरशायर के लिए पदार्पण किया था और अपने करियर में 448 पेशेवर मैच खेले। इस दौरान उन्होंने नॉर्थम्पटनशायर और वॉरसेस्टरशायर का भी प्रतिनिधित्व किया। वह 2013 में बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) विजेता रहे, जब उन्होंने ढाका ग्लैडिएटर्स के लिए खेला था। इसके अलावा, वह 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में वेल्श फायर टीम के कप्तान भी रहे।

कॉब टी 20 ब्लास्ट फाइनल में दो बार 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुने जाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। 2011 में, उन्होंने लीसेस्टरशायर की जीत में 4/22 की शानदार गेंदबाजी की थी, जबकि 2016 में नॉर्थम्पटनशायर के लिए 48 गेंदों में 80 रनों की निर्णायक पारी खेलकर टीम को दूसरी बार खिताब दिलाया था। क्रिकेट से संन्यास के बाद, अब वह कोचिंग में अपना करियर बनाएंगे। पिछले साल इंग्लैंड में ऑस्ट्रेलियाई वनडे टीम के साथ उन्होंने कंसल्टेंट कोच के रूप में काम किया था। उनके पिता रसेल कॉब भी लफबरो यूनिवर्सिटी में कोचिंग सेटअप का हिस्सा हैं, और अब जॉश भी उनके पदचिन्हों पर चल रहे हैं।

संन्यास की घोषणा करते हुए जॉश कॉब ने कहा,पिछले 18 वर्षों में क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है। मैंने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन यह एक शानदार सफर रहा। लॉड्र्स में 18 साल की उम्र में पहला शतक और दो बार टी 20 ब्लास्ट फाइनल जीतना मेरी सबसे खास यादों में रहेगा।

वारविकशायर अकादमी से हाल के वर्षों में जैकब बेथेल और डैन मूसली जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी निकले हैं।

अपनी नई भूमिका के बारे में कॉब ने कहा, मेरा लक्ष्य घरेलू खिलाड़ियों को विकसित करना है, ताकि वे वारविकशायर और इंग्लैंड के लिए खेल सकें। यह एक प्रतिष्ठित क्लब है, और मैं इस चुनौती को लेकर उत्साहित हूं।

डिनो मोरिया ने बिपाशा बसु संग

अपने रिश्ते और ब्रेकअप पर तोड़ी चुप्पी

फिल्म राज से मशहूर हुए अभिनेता डिनो मोरिया को भले ही इंडस्ट्री में ज्यादा सफलता नहीं मिली, लेकिन उनकी पर्सनल लाइफ हमेशा चर्चा में रही। डिनो और बिपाशा बसु का अफेयर एक समय सुर्खियों में था। दोनों ने कई सालों तक एक-दूसरे को डेट किया, लेकिन बाद में उनका ब्रेकअप हो गया। अब 49 साल की उम्र में भी डिनो मोरिया सिंगल हैं, और हाल ही में उन्होंने शादी पर खुलकर बात की।

एक साक्षात्कार में डिनो मोरिया ने प्यार को लेकर अपने विचार शेयर किए। उन्होंने कहा, ₹प्यार एक अद्भुत चीज़ है हर किसी को प्यार करना चाहिए। आप इस धरती पर प्यार फैलाने के लिए आए हैं। अपने भाई, बहन, माता-पिता, प्रेमिका, प्रेमी, पति, पत्नी और यहाँ तक कि अपने पालतू जानवर से भी प्यार फैलाएँ। जितना प्यार आप देंगे, उतना ही प्यार आपको मिलेगा। हर कोई चाहता है कि कोई उससे प्यार करे।₹ डिनो के इस बयान से साफ है कि वे प्रेम को जीवन का सबसे खूबसूरत एहसास मानते हैं और हर किसी को इसे खुलकर अपनाने की सलाह देते हैं।

डिनो मोरिया से जब उनके रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में पूछा गया तो उन्होंने संको भरे अंदाज में कहा, ₹हां, ऐसा हो सकता है।₹ हालांकि, उन्होंने अपने पार्टनर का नाम उजागर नहीं किया। शादी पर अपनी राय शेयर करते हुए डिनो ने कहा, ₹मुझे लगता है कि शादी सिर्फ़ एक मोहर है, एक अनुबंध जिसमें दो लोग एक साथ अपना जीवन जीते हैं। लेकिन शादी की ये संस्था समाज ने बनाई है।₹ उन्होंने आगे कहा, ₹अगर किसी रिश्ते में समस्या आती है तो उसे सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए, लेकिन अगर चीजें ठीक नहीं हो रही हैं तो जबरदस्ती उसे बनाए रखने का कोई मतलब नहीं।₹ डिनो की इस सोच से साफ है कि वह रिश्तों को दिल से निभाने में यकीन रखते हैं, लेकिन बिना किसी सामाजिक दबाव के।

डिनो मोरिया ने बिपाशा बसु से अपने ब्रेकअप पर खुलकर बात करते हुए कहा, ₹ब्रेकअप का फैसला बिपाशा ने नहीं, बल्कि मैंने लिया था। जब हम फिल्म 'राज' की शूटिंग के दौरान अलग हुए, तो सच कहूं तो मैं ही था जिसने खुद को उससे दूर कर लिया था।

ऋतिक रोशन ने की पूर्व पत्नी सुजैन खान की तारीफ

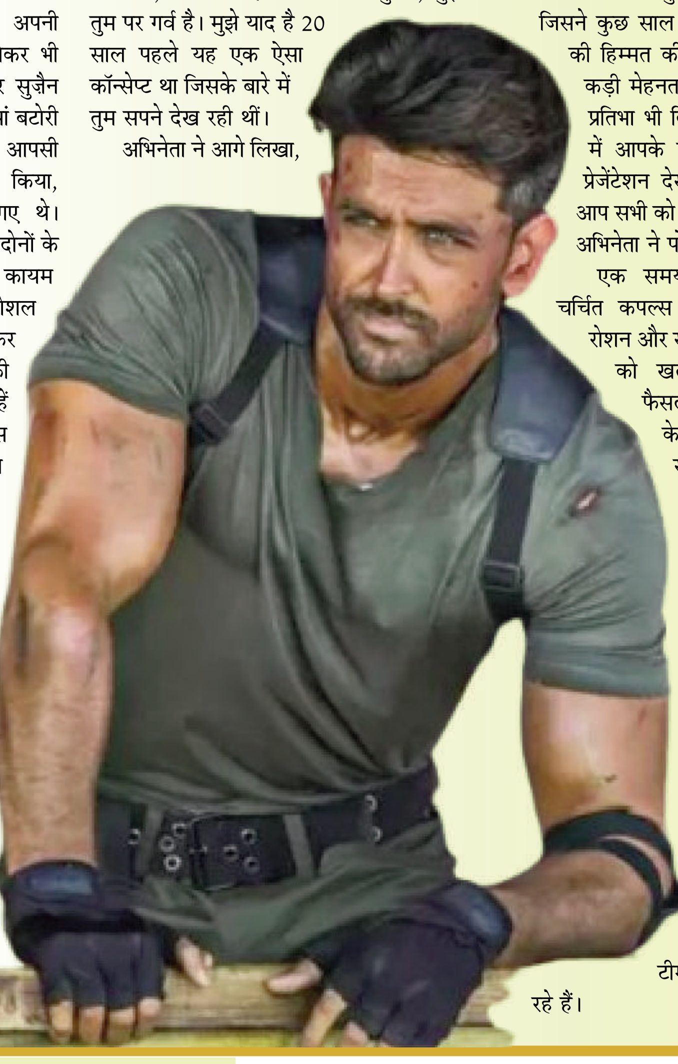

बॉलीवुड के सुपरस्टार ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म वॉर 2 को लेकर चर्चा में हैं। अपनी दमदार अदाकारी और ग्रीक गॉड लुक के लिए मशहूर ऋतिक अक्सर अपनी फिल्मों के अलावा निजी जिंदगी को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। ऋतिक रोशन और सुज़ैन खान की शादी ने एक समय काफी सुर्खियां बटोरी थीं, लेकिन कुछ साल पहले दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया, जिससे उनके फैंस हैरान रह गए थे। हालांकि, अलग होने के बावजूद दोनों के बीच दोस्ती और आपसी सम्मान कायम है। हाल ही में ऋतिक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर अपनी पूर्व पत्नी सुज़ैन खान की तारीफ की, जिससे फैंस की निगाहें उन पर टिक गईं। अभिनेता के इस पोस्ट ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उनके परिपक्व रिश्ते की खूब चर्चा हो रही है।

हाल ही में सोशल मीडिया प ऋतिक ने एक खास वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो को शानदार कैप्शन देते हुए एक्टर ने सुजैन खान की जमकर तारीफ की है। यह वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर जंगल में आग की तरह फैल रहा है। इस बीच, सुज़ैन खान ने हैदराबाद में 'चारकोल प्रोजेक्ट' नाम से एक नया स्टोर लॉन्च किया है, जो एक शानदार इंटीरियर डिजाइनर ब्रांड है। इस मौके पर एक्टर ने सुजैन खान के नए स्टोर की एक झलक उनके फैंस के साथ शेयर कर उनकी तारीफ की है। इस पोस्ट को खूबसूरत कैप्शन देते हुए ऋतिक ने लिखा, ₹सपने से हकीकत तक... सुजैन, मुझे तुम पर गर्व है। मुझे याद है 20 साल पहले यह एक ऐसा कॉन्सेप्ट था जिसके बारे में तुम सपने देख रही थीं।

अभिनेता ने आगे लिखा, ₹आज आप हैदराबाद में अपना दूसरा चारकोल प्रोजेक्ट लॉन्च कर रहे हैं। इसलिए मैं उस लड़की की प्रशंसा करने से खुद को नहीं रोक सकता, जिसने कुछ साल पहले यह सपना देखने की हिम्मत की। इसके पीछे न केवल कड़ी मेहनत है बल्कि इसमें आपकी प्रतिभा भी दिखाई देती है। हैदराबाद में आपके स्टोर का डिज़ाइन और प्रेजेंटेशन देखकर मैं दंग रह गया। आप सभी को बहुत सफलता मिले...₹, अभिनेता ने पोस्ट शेयर किया।

एक समय बॉलीवुड के सबसे चर्चित कपल्स में शुमार रहे ऋतिक रोशन और सुज़ैन खान ने अपने रिश्ते को खत्म करने का कठिन फैसला लिया। हालांकि, शादी के बाद कई सालों तक साथ रहने के बावजूद, कुछ मतभेदों के कारण दोनों ने अलग होने का फैसला किया और तलाक ले लिया। भले ही वे अब एक कपल नहीं हैं, लेकिन माता-पिता के रूप में वे अपने बच्चों की परवरिश में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं। ऋतिक और सुज़ैन अक्सर अपने बेटों के साथ समय बिताते नजर आते हैं और एक मजबूत पैरेंटिंग टीम की मिसाल पेश कर रहे हैं।

होली पर फिल्म 'छावा' की कमाई में जबरदस्त इजाफा

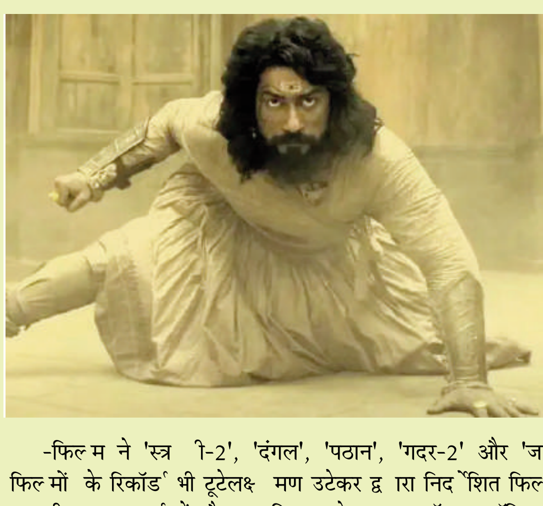

-फिल्म ने 'स्त्री-2', 'दंगल', 'पठान', 'गदर-2' और 'जवान' फिल्मों के रिकॉर्ड भी टूटेलक्ष्मण उटेकर द्वारा निर्देशित फिल्म 'छावा' इस भी समय चर्चा में है। इस फिल्म ने सचमुच बॉक्स ऑफिस पर सनसनी मचा दी है। 14 फरवरी को रिलीज हुई इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर दमदार प्रदर्शन कर दर्शकों का दिल जीत लिया है। कई आलोचक और कलाकार इस फिल्म की प्रशंसा करते नजर आ रहे हैं। यह फिल्म छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस बीच, फिल्म को रिलीज हुए लगभग एक महीना बीत चुका है और 'छावा' अभी भी बॉक्स ऑफिस पर सफलतापूर्वक चल रही है। 'छावा' फिल्म यह 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। फिल्म ने होली और रंगपंचमी के दौरान भारी मुनाफा कमाया है। सैकनीलक की रिपोर्ट के अनुसार, 'छावा' ने होली पर भारत में 7.25 करोड़ रुपये की कमाई की है। मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित इस ऐतिहासिक फिल्म ने भारत में 559 करोड़ की कमाई की है। इसलिए इसमें बदलाव की संभावना है। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म ने 'स्त्री-2', 'दंगल', 'पठान', 'गदर-2' और 'जवान' फिल्मों के रिकॉर्ड भी तोड़ दिए हैं।

इस दौरान,फिल्म 'छावा' में विक्की कौशल छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभा रहे हैं। रश्मिका मंदाना ने रानी येसुबाई की भूमिका निभाई है। इसके अलावा फिल्म में आशुतोष राणा, दिव्या दत्ता, विनीत सिंह, डायना पेंटी, प्रदीप रावत और नील भूपलम भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

'ब्रह्मास्त्र' के सीक्वल पर रणबीर कपूर का खुलासा- जल्द शुरू होगा प्री-प्रोडक्शन

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' ने 2022 में सुर्खियां बटोरी थीं। यह न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर सफल रही, बल्कि इस गाने 'केसरिया' की लाइन 'लव स्टोरिया' भी काफी चर्चा में रही। फिल्म सीक्वल की घोषणा पहले ही की जा चुकी है, लेकिन अब रणबीर कपूर ने 'ब्रह्मास्त्र 2' को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। मीडिया से बातचीत के रणबीर ने खुलासा किया कि उनकी आगामी फिल्म 'वॉर 2' की रिलीज के बाद 'ब्रह्मास्त्र 2' का प्री-प्रोडक्शन शुरू कर दिया जाएगा।

रणबीर कपूर ने कहा, ₹फिलहाल मैं 'वॉर 2' की शूटिंग में व्यस्त हूं, लेकिन इसकी रिलीज के बाद 'ब्रह्मास्त्र 2' पर शुरू कर दिया जाएगा। फिल्म का प्री-प्रोडक्शन जल्द शुरू होने की संभावना है। रणबीर ने यह भी बताया कि फिल्म को लेकर कुछ रोमांचक घोषणाएं की जाएंगी। उन्होंने कहा, ₹यह एक ऐसी फिल्म है, जिसे अयान मुखर्जी बहुत लंबे समय से एक सपने की तरह संजो रहे हैं, और हम इसे बेहद खास बनाने जा रहे हैं। फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' की कहानी शिवा रणबीर कपूर नाम के एक युवा डीजे के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे अपने सपनों में अजीबोगरीब चीजें नजर आती हैं। वह इन सपनों से हैरान और परेशान रहता है। शिवा की जिंदगी तब बदल जाती है, जब दशहरे के मौके पर हुए एक कॉन्सर्ट में उसकी नजर ईशा आलिया भट्ट पर पड़ती है। पहली ही नजर में वह ईशा का दीवाना हो जाता है। फिल्म में ईशा ने शिवा की प्रेमिका का किरदार निभाया है। 'ब्रह्मास्त्र' में रणबीर कपूर के दमदार परफॉर्मेंस को काफी सराहा गया और इसके लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का साहेब फाल्के पुरस्कार भी मिला था।

व वन ने ` र मना ोली जा नवी ने किया मजेदार कम

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन ने अपनी आगामी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के सेट पर होली का जश्न मनाया। इस दौरान उनके साथ अभिनेता मनीष पॉल भी नजर आए। वरुण ने सेट से एक मजेदार वीडियो शेयर किया, जिसमें दोनों रंगों से होली का आनंद लेते दिख रहे हैं। वीडियो में वरुण और मनीष चमकीले रंगों में रंगे दिखाई दे रहे हैं, जो सेट पर मस्ती का पूरा मजा ले रहे हैं। वीडियो के साथ, वरुण ने खुलासा किया कि वे फिल्म के लिए एक नया होली गीत फिल्मा रहे थे। वहीं, मनीष ने मजाक में कहा कि वरुण ने उन्हें सबसे ज्यादा रंगों से रंग दिया। इस पर वरुण ने भी चुटकी लेते हुए कहा, ₹बहुत रंग लग गया है। हालांकि, वीडियो पर सबसे ज्यादा ध्यान जाह्नवी कपूर के मजेदार कमेंट ने खींचा। उन्होंने पोस्ट पर मजाक में लिखा, ₹तुम बस अपने एब्स दिखाना चाहते थे।₹ जिससे यह अंदाजा लगाया गया कि वरुण का होली उत्साह उनकी एब्स दिखाने का बहाना हो सकता है। जाह्नवी का यह कमेंट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और फैंस ने इस पर खूब प्रतिक्रिया दी।

मनोरंजन जगत में भी छाया होली का रंगहोली का जश्न सिर्फ फिल्म सेट तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बॉलीवुड की कई हस्तियों ने भी इस त्योहार को धूमधाम से मनाया। चिरंजीवी, कियारा आडवाणी, कृति सेनन समेत कई सितारों ने अपने सोशल मीडिया पर होली की शुभकामनाएं और जश्न की झलकियां शेयर कीं। कृति सेनन ने अपनी फिल्म 'तेरे इश्क में' के सेट से धनुष और निर्देशक आनंद एल राय के साथ एक तस्वीर पोस्ट की और लिखा, ₹लाइट्स। कैमरा। होली!₹ शिल्पा शेट्टी ने अपने बच्चों संग 'बलम पिचकारी' गाने पर जमकर डांस किया और सभी को खुशहाल और सुरक्षित होली की शुभकामनाएं दीं। बॉलीवुड में होली का जश्न पूरे जोश और उत्साह के साथ मनाया गया, जिसमें सितारों ने अपने फैंस को भी रंगों के इस त्योहार की बधाइयां दीं।

ीलीला को ड कर र ` का िक यन

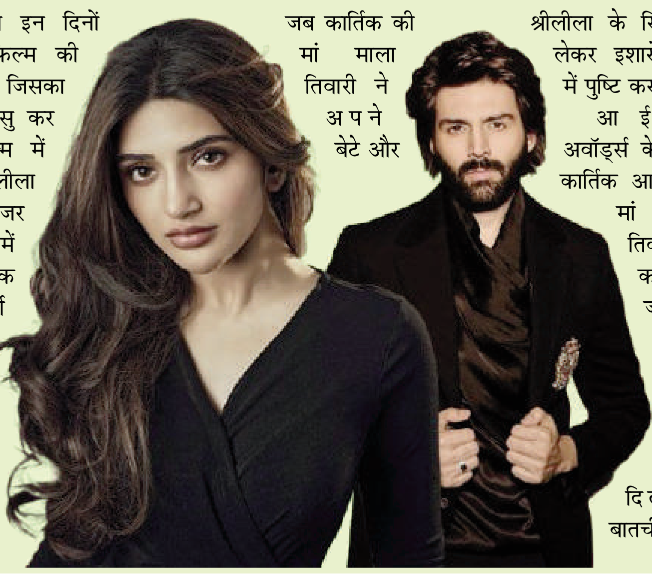

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसका निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं। इस फिल्म में कार्तिक के साथ श्रीलीला मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। हाल ही में श्रीलीला को कार्तिक की पारिवारिक पार्टी में देखा गया था, जिसके बाद से दोनों के डेटिंग की अफवाहें जोर पकड़ने लगीं। अब इन अफवाहों को और बल तब मिला जब कार्तिक की मां माला तिवारी ने अपने बेटे और श्रीलीला के रिश्ते को लेकर इशारों-इशारों में पुष्टि कर दी।

आईफा अवॉर्ड्स के दौरान कार्तिक आर्यन की मां माला तिवारी और करण जौहर के बीच एक दिलचस्प बातचीत हुई। करण ने कार्तिक की मां से मजाकिया अंदाज में पूछा, आप अपने घर के लिए किसे चुनेंगी? इस सवाल पर दर्शकों ने अनन्या पांडे का नाम लिया, लेकिन कार्तिक की मां ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, ₹घर की मांग एक डॉक्टर है। करण ने तुरंत ही कार्तिक की ओर देखते हुए कहा, आप एक डॉक्टर के साथ काम कर रहे हैं। श्रीलीला न केवल एक शानदार अभिनेत्री हैं, बल्कि एक एमबीबीएस डॉक्टर भी हैं। उनकी और कार्तिक की बढ़ती नजदीकियों को लेकर पहले से ही अफवाहें थीं, जिन्हें इस बातचीत ने और हवा दे दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401